twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

In Just 500 ₹
Get
Video AD +2 Days Free Marketing
Advertise On Leading News Channel
9891255609
9354173558
9891221238

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | गुरूवार, 12 जून, 2025 | वर्ष: 12 अंक: 209, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

कोर्ट को नहीं लांघनी चाहिए अपनी सीमाएं: सीजेआई बीआर गवई

नई दिल्ली

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर. गवई ने कहा कि भारत का संविधान सिर्फ अधिकार नहीं देता, बल्कि समाज के पिछड़े और दबे-कुचले वर्गों को ऊपर उठाने का काम भी करता है। उन्होंने यह बात ऑक्सफोर्ड यूनियन में एक प्रोग्राम के दौरान कही। सीजेआई ने कहा कि देश में ज्यूडिशियल एक्टिविज्म की भूमिका बनी रहेगी, लेकिन इसे इतना नहीं बढ़ाना चाहिए कि यह न्यायिक आतंकवाद का रूप ले ले। उन्होंने कहा न्यायिक सक्रियता जरूरी है, लेकिन यह इस हद तक नहीं होनी चाहिए कि यह न्यायिक आतंकवाद का रूप ले ले।

न्यायपालिका को मर्यादा में रहकर हस्तक्षेप करना चाहिए

सीजेआई गवई ने कहा कि जब विधायिका और कार्यपालिका नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने में असफल रहती हैं, तब न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना पड़ता है। लेकिन इस हस्तक्षेप की सीमा और मयार्दा होनी चाहिए।

भारत में कई दशक तक छुआछूत रहा

भारत में कई दशक पहले लाखों नागरिकों को अछूत कहा जाता था। उन्हें अशुद्ध बताया जाता था। कहा जाता था कि वे इस जाति के नहीं हैं। उन्हें बताया जाता था कि वे अपनी बात खुद नहीं कह सकते। लेकिन आज हम यहां हैं, जहां उन्हीं लोगों से संबंधित एक व्यक्ति देश की न्यायपालिका के सर्वोच्च पद पर आसीन होकर खुलकर बोल रहा है। सीजेआई बीआर गवई ने 17 मई को कहा कि जज जमीनी हकीकत को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। वे बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के सम्मान समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान उखक गवई ने सामाजिक वास्तविकताओं को समझने और उनका जवाब देने में जजों की भूमिका पर जोर दिया। सीजेआई गवई ने कहा कि आज की न्यायपालिका मानवीय अनुभवों की जटिलताओं को नजरअंदाज करते हुए कानूनी मामलों को सख्त काले और सफेद शब्दों में देखने का जोखिम नहीं उठा सकती।

रेलवे के दो प्रोजेक्ट्स को मंत्रिमंडल की मंजूरी

6,405 करोड़ की लागत से 318 किमी नेटवर्क विस्तार: अश्विनी

1408 गांवों की 28.19 लाख आबादी को फायदा

पटना और रांची के बीच सबसे छोटा और उपयुक्त रेल संपर्क

नई दिल्ली

केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को भारतीय रेल के दो अहम मल्टीट्रैकिंग (लाइन दोहरीकरण) परियोजनाओं को मंजूरी दे दी। इससे झारखंड, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में न केवल माल और यात्री परिवहन में तेजी आएगी बल्कि ग्रामीण इलाकों से संपर्क भी बेहतर होगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नेशनल मीडिया सेंटर में पत्रकारों को कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने लाइन दोहरीकरण की दो परियोजनाओं को 6,405 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी है। इससे भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में करीब 318 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि पहली परियोजना झारखंड राज्य की कोडरमा-बरकाकाना दोहरीकरण परियोजना (133 किमी) है। यह प्रोजेक्ट 3,063 करोड़ रुपये का है। यह लंबी दूरी का प्रोजेक्ट है। यह क्षेत्र देश के प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्रों में आता है और यह रेलखंड पटना और रांची के बीच सबसे छोटा रेल मार्ग है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इन दोनों परियोजनाओं से लगभग 1,408 गांवों की कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिनकी जनसंख्या लगभग 28 लाख है। साथ ही इन कार्यों के पूरा होने के बाद 49 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) अतिरिक्त माल परिवहन की क्षमता बढ़ेगी। इसके अतिरिक्त परियोजनाओं से रेलवे संचालन अधिक सुगम और कुशल होगा, जिससे भीड़भाड़ कम होगी और ट्रेनें समय पर चल सकेंगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का यह निर्णय विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में एक ठोस कदम माना जा रहा है। रेलवे अधोसंरचना में इस प्रकार का निवेश ग्रामीण एवं औद्योगिक क्षेत्रों के विकास में सहायक साबित होगा।

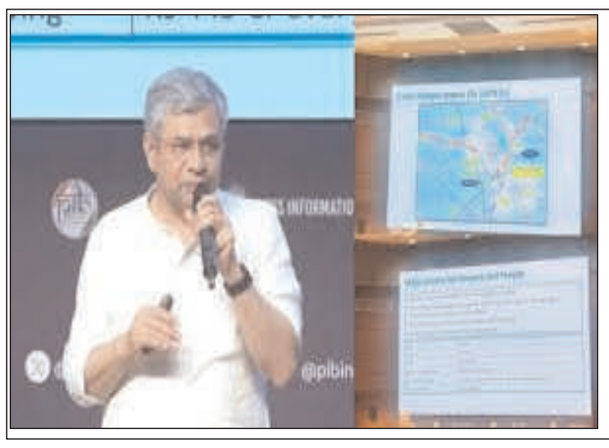

बीएसएफ के खस्ताहाल कोच के वीडियो के बाद चार अधिकारी निलंबित: रेल मंत्री वैष्णव

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बीएसएफ के खस्ताहाल कोच के वीडियो के बाद ट्रेन बदल दी गई। इसके अलावा जवानों के लिए पुरानी ट्रेन उपलब्ध कराने के मामले में चार अधिकारी निलंबित कर दिए गए हैं। रेल मंत्री वैष्णव ने आज नेशनल मीडिया सेंटर में पत्रकारों से कहा कि त्रिपुरा से कश्मीर ड्यूटी पर जा रहे बीएसएफ जवानों के लिए पुरानी ट्रेन की तैनाती से जुड़ी घटना को गंभीरता से लिया गया है। अलीपुरद्वार डिवीजन के चार अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। ये अधिकारी अलीपुरद्वार मंडल से हैं, जिनमें अलीपुर कोचिंग डिपो के कोचिंग डिपो अधिकारी और अलीपुर मंडल के तीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर शामिल हैं।

लाइन के दोहरीकरण से पटना-रांची के बीच आवागमन आसान होगा

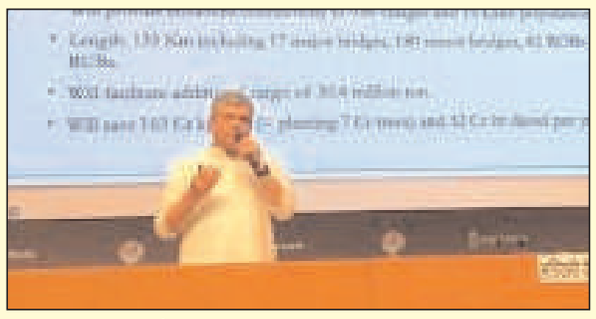

लाइन के दोहरीकरण से पटना-रांची के बीच आवागमन आसान हो जाएगा। कोयला परिवहन और अन्य मालगाड़ी संचालन में तेजी आएगी। काफी नई ट्रेन चलाई जा सकेंगी। हजारीबाग, छतरा, कोडरमा और रामगढ़ जिलों को अच्छी कनेक्टिविटी मिलेगी। मंत्री ने कहा कि दूसरी परियोजना कर्नाटक और आंध्र प्रदेश को जोड़ने वाली बल्लारी-चिकजाजुर दोहरीकरण परियोजना (185 किमी) है। यह परियोजना 3342 करोड़ रुपये की है। यह लाइन बल्लारी और चित्रदुर्ग (कर्नाटक) तथा अनंतपुर (आंध्र प्रदेश) ज़िलों से होकर गुजरेगी। इससे क्षेत्रीय विकास को बल मिलेगा। और यात्रियों व व्यापारिक गतिविधियों को सुगमता होगी। इन दोनों परियोजनाओं से लगभग 1,408 गांवों की कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिनकी जनसंख्या लगभग 28 लाख है। साथ ही इन कार्यों के पूरा होने के बाद 49 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) अतिरिक्त माल परिवहन की क्षमता बढ़ेगी। इसके अतिरिक्त परियोजनाओं से रेलवे संचालन अधिक सुगम और कुशल होगा, जिससे भीड़भाड़ कम होगी और ट्रेनें समय पर चल सकेंगी।

वेटिंग टिकट कन्फर्म हुआ या नहीं, 24-घंटे पहले पता चलेगा

भारतीय रेलवे ने वेटिंग लिस्ट वाले पैसेंजर्स के लिए नए नियम लेकर आई है। अब यात्रियों को सीट कन्फर्म हुई या नहीं इसकी जानकारी ट्रेन निकलने के एक दिन पहले पता चल जाएगी। रेलवे ने अब चार्ट बनाने का समय ट्रेन के चलने से 24 घंटे पहले कर दिया है। अभी सिर्फ 4 घंटे पहले रिजर्वेशन चार्ट बनाया जाता था। ऐसे में वेटिंग टिकट वालों को आखिरी वक्त तक कंफर्मेशन का इंतजार करना पड़ता था। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह नियम 6 जून से बीकानेर डिवीजन में लागू किया गया है। धीरे-धीरे इसे देशभर के अन्य डिवीजनों में भी लागू किया जाएगा।

तत्काल टिकट बुकिंग पर लागू नहीं होगा ये नियम

रेलवे ने यह भी कहा कि नए नियम से तत्काल टिकट बुकिंग या अन्य नियमों में कोई बदलाव नहीं होगा। तत्काल टिकट यात्रा से एक दिन पहले बुक किए जाएंगे और उनकी कंफर्मेशन प्रक्रिया पहले के जैसे ही रहेगी।

वेटिंग टिकट पर स्लीपर-एसी कोच में सफर नहीं कर सकेंगे

इससे पहले भारतीय रेलवे ने 1 मई से वेटिंग टिकट के लिए नए नियम लागू किए थे। इनके अनुसार, वेटिंग लिस्ट टिकट वाले यात्रियों को अब स्लीपर या अउ कोच में यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी। जिन यात्रियों के टिकट वेटिंग लिस्ट में हैं, वे अब सिर्फ जनरल कोच में ही सफर कर सकेंगे। अगर कोई यात्री वेटिंग टिकट पर अउ या स्लीपर कोच में यात्रा करता हुआ पाया जाता है, तो उस पर जुर्माना लगेगा।

केन्द्र ने खाद्य तेलों पर घटाया आयात शुल्क, उपभोक्ताओं को लाभ

नई दिल्ली

केन्द्र सरकार ने सूरजमुखी, सोया और पाम जैसे कच्चे खाद्य तेलों पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को 20 प्रतिशत से घटा कर 10 प्रतिशत कर दिया है। इससे कच्चे और परिष्कृत तेलों के बीच आयात शुल्क में अंतर 8.75 प्रतिशत से बढ़ कर 19.25 प्रतिशत हो गया है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार यह फैसला सितंबर 2024 में हुई शुल्क वृद्धि और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में उछाल के कारण घरेलू स्तर पर बढ़ती खाद्य तेल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए लिया गया है। सरकार ने तेल उद्योग और संघों को परामर्श जारी किया है कि शुल्क में कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं को दिया जाए। मंत्रालय का कहना है कि 19.25 प्रतिशत का शुल्क अंतर घरेलू रिफाइनिंग को प्रोत्साहित करेगा और परिष्कृत तेलों के आयात को घटाएगा। इससे घरेलू उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और किसानों को भी उचित मूल्य मिल सकेगा।

वोटर लिस्ट तैयार करना कठिन काम: ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्वीडन के स्टॉकहोम में हुए अंतरराष्ट्रीय चुनावी साख सम्मेलन में भारत की चुनाव प्रणाली की मजबूती, पारदर्शिता और विविधता को वैश्विक मंच पर रेखांकित किया। यह सम्मेलन इंटरनेशनल आइडिया संस्था द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 50 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों के 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि भारत में चुनाव प्रक्रिया दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक गतिविधि है। 2024 के आम चुनाव में लगभग 98 करोड़ मतदाता थे, 10.5 लाख मतदान केंद्र बनाए गए और 62 लाख ईवीएम मशीनें इस्तेमाल की गईं। चुनाव आयोग ने 743 राजनीतिक दलों के 20,271 उम्मीदवारों के साथ चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न किया। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि भारत में चुनाव राजनीतिक दलों, मीडिया, पर्यवेक्षकों और पुलिस की निगरानी में होते हैं। इस दौरान लगभग 2 करोड़ से अधिक कर्मचारी तैनात रहते हैं, जिससे यह दुनिया की सबसे बड़ी कार्यबल वाली संस्था बन जाती है। उन्होंने भारत की मतदाता सूची प्रक्रिया को दुनिया की सबसे पारदर्शी प्रणाली बताया। 1960 से हर वर्ष राजनीतिक दलों के साथ मतदाता सूची साझा की जाती है। जिसमें दावे, आपत्तियां और अपील की पूरी प्रक्रिया होती है। उन्होंने कहा कि भारत हर मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित करता है। चाहे वह पहली बार वोट देने वाला हो, वरिष्ठ नागरिक हो, दिव्यांग हो या दुर्गम क्षेत्र में रहने वाला हो।

सम्मेलन के दौरान उन्होंने 12 देशों के चुनाव आयुक्तों से द्विपक्षीय चर्चा भी की। इन बैठकों में प्रवासी मतदान, चुनावी तकनीक और संस्थागत सहयोग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

जयशंकर ने आतंक के मुद्दे पर पाकिस्तान को घेरा

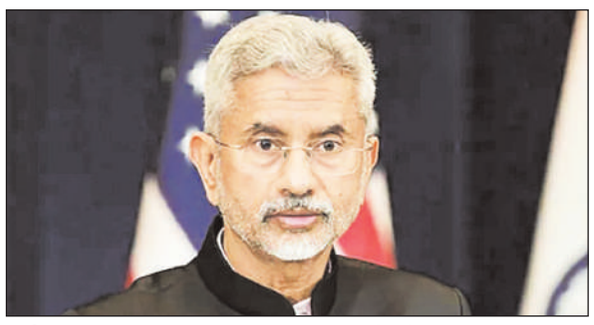

नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर इस समय यूरोपीय संघ (ईयू) के नेताओं से मिलने के लिए ब्रुसेल्स में हैं। इस दौरान उन्होंने एक समाचार वेबसाइट से बातचीत करते हुए पश्चिमी देशों को आईना दिखाया। जयशंकर ने साफ शब्दों में कहा कि पश्चिमी देशों को कश्मीर में आतंकवाद के बाद पाकिस्तान के खिलाफ नई दिल्ली की कार्रवाई को भारत बनाम आतंकवाद के मुद्दे के रूप में देखना चाहिए। विदेश मंत्री ने कहा कि इस लड़ाई को केवल दो पड़ोसी देशों के बीच सीमा विवाद के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यूरोपीय समाचार वेबसाइट यूरैक्टिव से बात करते हुए विदेश मंत्री ने यूरोप की बदलती भू-राजनीति और भविष्य में बेहतर यूरोपीय संघ-भारत संबंधों की उम्मीदों पर भी विचार किया।

विदेशी मीडिया को भी सुनाई खरी-खरी

एक रिपोर्ट के मुताबिक, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साक्षात्कार के दौरान पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत की कार्रवाई को दो परमाणु संपन्न पड़ोसियों के बीच प्रतिशोध के रूप में पेश करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की आलोचना की। उन्होंने एक सवाल के जवाब के जवाब में कहा कि मैं आपको एक बात याद दिलाना चाहता हूं। ओसामा बिन लादेन नाम का एक व्यक्ति था। वह वर्षों तक क्यों पाकिस्तानी शहर में रहा। वह पाकिस्तान के किसी शहर में कैसे खुद को सुरक्षित महसूस करता रहा। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि दुनिया समझे, यह केवल भारत-पाकिस्तान का मुद्दा नहीं है। यह आतंकवाद के बारे में है। और यही आतंकवाद अंततः आपको परेशान करेगा। विदेश एस जयशंकर ने रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष को लेकर भी अपनी बात रखी।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने 'किसान चौपाल' में किसानों से किया संवाद

नई दिल्ली

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तिगीपुर गांव में किसान चौपाल के दौरान किसानों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि देशभर में वे किसानों से मिल रहे हैं और उनकी समस्याएं सुन रहे हैं। उन्होंने दिल्ली की पिछली सरकार पर कृषि की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि अब सभी योजनाएं लागू की जाएंगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि नकली बीज, नकली खाद और नकली कीटनाशक के नाम पर किसानों के साथ धोखाधड़ी करने वालों को हम छोड़ेंगे नहीं, इस पर२ हम नया कड़ा कानून ला रहे हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को गुजरात के बड़ोली में विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहेंगे। कृषि मंत्री बड़ोली में किसानों की समस्याएं सुनेंगे। कार्यक्रम से पहले वे ह्यकिसान चौपालह्न में भाग लेकर किसानों से सीधी चर्चा करेंगे। विकसित कृषि संकल्प से जुड़ा 15 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान 29 मई को ओडिशा से शुरू हुआ था।

आठ दिन की पुलिस कस्टडी में भेजे गए राजा के हत्यारोपी

शिलांग

मेघालय के चर्चित हनीमून हत्याकांड में मृतक कारोबारी राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम रघुवंशी और उसके चार साथियों को बुधवार को शिलॉन्ग की एक अदालत में पेश किया गया। जहां सुनवाई के बाद कोर्ट सभी आठ दिन के पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, इन सभी पर राजा की हत्या की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का आरोप है। मामले में पूर्वी खासी हिल्स जिले के एसपी विवेक सायम ने बताया, 'पुलिस ने सभी आरोपियों की 10 दिन की रिमांड मांगी थी। अदालत ने आठ दिन की पुलिस हिरासत मंजूर की।' बता दें कि, 24 वर्षीय सोनम को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से गिरफ्तार किया गया, जबकि उसके चार साथियों को मध्य प्रदेश के इंदौर से पकड़ा गया। सोनम को मंगलवार देर रात मेघालय लाया गया, जबकि बाकी चारों को बुधवार को ट्रांजिट रिमांड पर शिलांग लाया गया।

संत कबीर जयंती पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दी सौगात

सफाई कर्मियों के वेतन में 2100 रुपये की बढ़ोतरी की घोषणा

सिरसा

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संत शिरोमणि कबीर दास जी की जयंती के अवसर पर सफाई कर्मियों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए उनके मासिक वेतन में 2100 रुपये की वृद्धि की घोषणा की। इसके अलावा, सिरसा में बन रहे संत सरसाई नाथ मेडिकल कॉलेज में 100 बेड का नशा मुक्ति केंद्र बनाने की भी घोषणा की। साथ ही, डबवाली में स्थित नशा मुक्ति केंद्र में 10 बेड की संख्या को बढ़ाकर 30 बेड करने और ऐलनाबाद के सरकारी अस्पताल के पास 30 बेड का नया नशा मुक्ति केंद्र बनाने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री आज संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रचार प्रसार योजना के तहत जिला सिरसा में आयोजित संत शिरोमणि कबीर दास जयंती राज्य स्तरीय समारोह में उपस्थितजन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 31 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने संकल्प पत्र में सफाई कर्मियों के वेतन को चरणबद्ध तरीके से 5 सालों में 26 हजार तक बढ़ाने का संकल्प लिया है, इसके लिए सरकार कटिबद्ध है। संकल्प पत्र में जो हमने कहा है उसे हम पूरा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत कबीर भारतीय संस्कृति की 'सर्वधर्म समभाव' और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' परम्परा के संवाहक और इतिहास के अनमोल रत्न थे। उनका जन्म ऐसे समय में हुआ, जब हमारा समाज अंधविश्वास, जात-पात और रूढ़िवादी परम्पराओं में जकड़ा हुआ था। संत कबीर ने अपने कर्म से वंदनीय स्थान प्राप्त किया। वे अपने समय के सबसे साहसी समाज-सुधारक थे। उन्होंने सभी धर्मों की कुरीतियों और रूढ़ियों पर कड़ी चोट की।उन्होंने कहा कि संत कबीर दास जी जैसे संत-महात्माओं, ऋषि-मुनियों, पीर-पैगम्बरों और गुरुओं ने भूली-भटकी मानवता को जीवन का सच्चा रास्ता दिखाया है। ऐसी महान विभूतियों की शिक्षाएं पूरे मानव समाज की धरोहर हैं। उनकी विरासत को संभालने व सहेजने की जिम्मेदारी हम सबकी है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा संत कबीर जी के विचारों को आधुनिक भारत की नींव बताया है।

तानसेन की विरासत पर आधारित 'तानसेन का ताना-बाना' पुस्तक का विमोचन

एजेंसी

सुकमा । वरिष्ठ पत्रकार श्री राकेश शुक्ला द्वारा लिखित ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व की पुस्तक 'तानसेन का ताना-बाना' का भव्य लोकार्पण आज नई दिल्ली केशव कुंज स्थित विचार विनिमय न्यास सभागार में सम्पन्न हुआ। दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा, 'अगर भारत को विश्वगुरु बनना है तो हमें अपने इतिहास, साहित्य और संस्कृति को स्मरण कर उसे समृद्ध करना होगा। हमारा इतिहास, हमारी संस्कृति, हमारी विराशत गमारे लिए महत्वपूर्ण बाते हैं जो भविष्य के निर्माण के लिए आवश्यक है। हमें अपनी कमिया दूर करते हुए अपने भूतकाल के इतिहास को लिखते रहना चाहिए ताकि नई पीढ़ी को वह बता सकें और दिखा सकें। ऐसी पुस्तकें नई पीढ़ी को उपहार में दी जानी चाहिए, ताकि वे अपनी जड़ों से जुड़ सकें।' उन्होंने सुरुचि प्रकाशन को विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे प्रकाशकों का कार्य सराहनीय है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचार प्रमुख श्री सुनील आंबेकर ने बताया की तानसेन का संगीत के क्षेत्र में योगदान अतुलनीय है जिसकी तुलना भी नहीं की जा सकती। तानसेन ने अपने काल में जब साशन में ऐसे

लोग बैठे थे जो संगीत को ज्यादा महत्व या प्रोत्साहन नहीं देते थे तब भी उन्होंने संगीत परम्परा को आगे बढाने और उसको कायम रखने में बोहुत संघर्ष किया। तानसेन की साधना को 'संगीत के हर स्वरूप के आराध्य और भारत की आध्यात्मिक परंपरा का प्रतीक' बताया और ऐसी परंपराओं को जीवित रखने व समृद्ध बनाने की दिशा में अनवरत प्रयत्न करने की आवश्यकता पर जोर दिया। केंद्रीय संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, 'तानसेन पर पांच सौ वर्षों बाद भी लेखन जारी है, यह इस बात का प्रमाण है कि उनका योगदान आज भी प्रासंगिक है। इतिहास उठा कर देखें तो अनेक ऐसे लोग हुए हैं जो तमाम तरह की विपरीत परिस्थितियों के होते हुए भी अपने कर्तृत्व के आधार पर, व्यक्तित्व के आधार पर उनका जीवन कालजयी हो गया। अंगेरजी में कहते हैं Larger than life Phenomenon. हमें इतिहास के उन व्यक्तित्वों को पुनः स्थापित करना होगा जिन्हें जानबूझकर भुलाया गया। उन्होने कहा कि भारतीय सभ्यता पश्चिम की तरह नहीं है जहां पीछे देखने और गर्व करने को कुछ नहीं है, अपितु भारत हमेशा न सिर्फ अपने इतिहास से सीख लेता है, बल्कि सतयुग, त्रेतायुग या द्वापर युग के महान मूल्यों को आत्मसात् करने की प्रवृत्ति भी रखता है।

राजस्थान का श्रीगंगानगर सबसे गर्म, पारा 47.3

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान में मानसून आने से पहले गर्मी ने झुलसाना शुरू कर दिया है। दिन और रात दोनों समय तापमान तेजी से बढ़ रहा है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार प्रदेश के कई हिस्सों में अगले एक सप्ताह तक मौसम शुष्क रहेगा और लू के साथ तेजी गर्मी का असर बना रहेगा। बीते 24 घंटों में श्रीगंगानगर सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 47.3 डिग्री सेल्सियस मापा गया। बीकानेर में 45.8, चूरू में 45.6, फलोदी में 45.2 और जैसलमेर में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। जयपुर में अधिकतम तापमान 43.8 और न्यूनतम तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अगले तीन-चार दिन तक भीषण गर्मी से राहत की कोई संभावना नहीं है। पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, जैसलमेर, चूरू, झुंझुनूं और कोटा जिलों में तापमान 45 से 47 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा। 15-16 जून को कोटा और भरतपुर संभाग में हल्की बारिश की संभावना है। मंगलवार को श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में हीटवेव को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। बीकानेर और चूरू में ऑरेंज अलर्ट और झुंझुनूं, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, जैसलमेर, कोटा व बूंदी में यलो अलर्ट घोषित किया गया है। 10 जून तक तेज धूलभरी हवा चलने की भी चेतावनी दी गई है। राजधानी जयपुर में आज सुबह 7:30 बजे तापमान 32 डिग्री सेल्सियस मापा गया। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 16-17 जून के बाद बंगाल की खाड़ी से आने वाली पूर्वी हवाओं का असर पूर्वी राजस्थान में देखने को मिल सकता है। तब तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी और लू का दौर जारी रहेगा। विभाग ने लोगों को दोपहर के समय बाहर निकलने से बचने, भरपूर पानी पीने और धूप से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी है।

साय ने वेदमणि सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चक्रधर सम्मान से सम्मानित, संगीत साधना के महान पुरोधा, कलागुरु वेदमणि सिंह ठाकुर 'बेदम' जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्री साय ने कहा कि कलागुरु 'बेदम' जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन संगीत की साधना एवं प्रचार-प्रसार में समर्पित कर दिया। रायगढ़ को 'सांस्कृतिक राजधानी' के रूप में गौरवान्वित करने में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा। उनके व्यक्तित्व, साधना और कला ने न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के सांस्कृतिक जीवन को समृद्ध किया। उन्होंने कहा कि देशभर के अनेक प्रतिष्ठित मंच उनकी प्रतिभा से आलोकित हुए हैं। उनके शिष्यों और संगीत साधकों के लिए उनका जाना अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा शोकाकुल परिवार और शिष्यों को इस दुःख की घड़ी में संबल देने की प्रार्थना की।

छत्तीसगढ़ में कोरोना के छह नए मामले

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आज कोरोना के छह नए मामले सामने आने से प्रदेश में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 44 पहुंच गई। सक्रिय मामलों में से 40 का इलाज होम आइसोलेशन में जारी है। प्रदेश में कोरोना के अब तक 50 मामले सामने आ चुके हैं। रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर के बाद अब बालोद जिला भी कोरोना की चपेट में आया गया है।आंकड़ों के अनुसार होम क्वारंटाइन में 40 पीड़ित हैं। रायपुर में सबसे ज्यादा 31 मरीज मिले हैं। वहीं बिलासपुर में 12, दुर्ग में पांच, बालोद और बस्तर में एक-एक मरीज मिले हैं। शुक्रवार को 1183 मरीजों की जांच की गई थी जिसमें से 17 मरीज पाजीटिव मिले थे। इनमें सर्वाधिक रायपुर में 11 लोग शामिल थे। इसके बाद बिलासपुर में पांच और दुर्ग में एक नया मरीज मिला था। सभी में सामान्य इंफ्लूएंजा जैसे लक्षण हल्का बुखार, सर्दी-खांसी या गले में खराश पाए गए हैं।

मोदी सरकार ने 11 साल में सिर्फ सपने बेचे:राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 11 साल के कार्यकाल को कमजोरों पर हिंसा, अपमान और भेदभावपूर्ण बताते हुए कहा है कि इस दौरान कहीं जवाबदेही नहीं रही और न कहीं कोई बदलाव हुआ है लेकिन प्रचार जमकर चलता रहा है। श्री गांधी ने कहा कि 11 साल तक बिना किसी जवाबदेही के काम करने वाली मोदी सरकार सिर्फ बातें कर खूब प्रचार करती है और जुमलेबाजी करती रही है। हालात यह है कि सरकार अब 2025 पर बात करना छोड़, 2047 के सपने बेच रही है। इस दौरान दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के लिए अपमान, हिंसा और भेदभाव से भरे रहे। इन्हें संस्थागत रूप से दोयम दर्जे का नागरिक बनाने और मुख्यधारा से दूर रखने की साजिश चलती रही है। इस सरकार के 11 साल देश के करोड़ों गरीबों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के लिए अपमानजनक रहे और उन्हें सिर्फ दोयम दर्जे का नागरिक बनाने का ही प्रयास हुआ है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में 19 साल के पंकज प्रजापति को सिर्फ़ इसलिए सरेआम गोली मार दी गई -क्योंकि उसने दलित होकर अपने हिस्से का हक़ मांगा।

दिल्ली में 66 अवैध बांग्लादेशी गिरफ्तार

घनी आबादी वाले इलाकों में ले रहे थे पनाह

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 66 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया गया है। ये सभी बचने के लिए घनी आबादी वाले इलाके में छिपे हुए थे। डीसीपी भीष्म सिंह ने इसकी जानकारी दी।

डीसीपी भीष्म सिंह ने समाचार एजेंसी को बताया, 'नॉर्थ वेस्ट जिले की फॉरेनर सेल ने एक बड़े अभियान में 11 बांग्लादेशी परिवारों के 66 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। ये सभी अवैध रूप से दिल्ली में रह रहे थे और हाल ही में हरियाणा से राजधानी पहुंचे थे।' डीसीपी ने बताया, ÷पुलिस को इनकी मौजूदगी की गुप्त

सूचना मिली थी, जिसके बाद वजीरपुर और नई सब्जी मंडी इलाके में छापेमारी की गई, जिसके बाद इनकी गिरफ्तारी हुई। गिरफ्तार व्यक्तियों में 20 पुरुष, 16 महिलाएं और 30 बच्चे शामिल हैं। जांच में सामने आया कि ये सभी पहले हरियाणा के ईंट-भट्टों पर काम कर रहे थे और कार्रवाई से बचने के लिए दिल्ली के घनी आबादी वाले इलाकों में छिप गए थे।' उन्होंने बताया, 'अवैध बांग्लादेशियों ने अपने मोबाइल फोन व पहचान पत्र जानबूझकर छिपा दिए थे, जिससे इनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। फिलहाल पुलिस ने इनको गिरफ्तार कर लिया है और इनको बांग्लादेश भेजने की तैयारी में जुट गई है।' पुलिस की टीमों ने इलाके में कई दिनों तक सघन निगरानी की। स्थानीय दुकानदारों और स्थानीय लोगों से बातचीत कर यह जानकारी जुटाई गई कि कहां पर बच्चों के लिए बार-बार दूध, खाने-पीने की चीजें खरीदी जा रही हैं। खुफिया जानकारी, गहन जांच और डोर-टू-डोर तलाशी के बाद वजीरपुर जे.जे. कॉलोनी और एनएस मंडी क्षेत्र से अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया। डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि जिला पुलिस की इस विशेष कार्रवाई को एसीपी रंजीव कुमार की देखरेख और इंस्पेक्टर विपिन कुमार के नेतृत्व वाली टीम ने अंजाम दिया। टीम में एसआई सापन, एसआई श्यामबीर, एएसआई विनय, हेड कांस्टेबल टीका राम, प्रवीन, कपिल, विकास, कांस्टेबल हवा सिंह, निशांत और दीपक शामिल थे।

दिल्ली में कोरोना से एक और मौत, 24 घंटे में 37 नए मरीज मिले

दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामलों में फिर से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। मंगलवार को दिल्ली में कोरोना से एक 90 साल की महिला की कोरोना से मौत हो गई। अब तक मरने वालों की संख्या 8 हो गई है। वहीं कोविड के अब तक एक्टिव केस 691 सामने आई हैं। पिछले 24 घंटे में 37 नए मामले आए, जबकि 1232 मरीज ठीक हुए और 104 मरीज 24 घंटे में ठीक हुए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के डाटा के अनुसार, बीते रविवार को दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केस 686 हैं। रविवार को दिल्ली में कोरोना के 21 नए मामले सामने आए। दिल्ली में एक जनवरी से अभी तक कोरोना के 1024 मरीज ठीक हो चुके हैं। रविवार को कोरोना को 132 मरीज ठीक हुए।

वीडियो कॉल पर प्रेमी को देख टूटी सोनम, राजा की हत्या कबूली

एजेंसी

इंदौर। दो राज्यों को हैरान करने वाली घटना से रहस्यमय ढंग से पर्दा हट गया है। शिलांग पुलिस आरोपितों के घरों तक पहुंच गई और किसी को भनक तक नहीं लगने दी। आरोपितों से थाने और कार्यालय में नहीं बल्कि डीसीपी के बंगले में पूछताछ हुई। इसी बीच सोनम गाजीपुर के ढाबे पर पहुंच गई। जैसे ही उसके प्रेमी राज से वीडियो कॉल पर उसका सामना करवाया गया, उसने राजा की हत्या करना कबूल कर ली। राजा की हत्या के आरोप में सोनम को यूपी के गाजीपुर की कोर्ट में पेश किया गया। यहां से उसे रिमांड पर सौंपा जाएगा। गौरतलब है कि राजा रघुवंशी और सोनम की शादी 11 मई को इंदौर में हुई थी। इसके बाद दोनों 20 मई को हनीमून के लिए गुवाहाटी पहुंचे और मां कामाख्या के दर्शन किए। इसके बाद दोनों 23 मई को मेघालय के शिलांग के लिए रवाना हुए। शुरुआत में परिवार की दोनों से बात होती रही, लेकिन 24 मई से दोनों के मोबाइल बंद हो गए। जब कोई संपर्क नहीं हो

सका तो सोनम के भाई गोविंद और राजा के भाई विपिन शिलांग पहुंचे। इसके बाद वे सर्चिंग टीम के साथ जुड़े। इसी बीच लापता दंपति में से पति राजा रघुवंशी का शव दो जून को मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले के सोहरा क्षेत्र में एक झरने के पास गहरी खाई में मिला था। राजा की हत्या की सुई सोनम की ओर घूमने के बाद ईस्ट खासी हिल्स(शिलांग) पुलिस रविवार रात इंदौर पहुंच चुकी थी। हाईप्रोफाइल केस पर खुद मेघालय की डीजीपी आई नोंग्रांग नजर रखें थी। वह मध्य प्रदेश के डीजीपी कैलाश मकवाणा को जानकारी दे चुकी थी।

साधु-संतों ने पीएम मोदी के 11 साल के कार्यकाल को सराहा, सनातन के लिए स्वर्णिम काल बताया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री रहते नरेंद्र मोदी के 11 साल पूरे होने पर देशभर के साधु-संतों ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने पीएम मोदी के 11 साल के कार्यकाल को स्वर्णिम काल बताया। गुजरात प्रांत संत समिति के अध्यक्ष अविचल दास ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 साल का जो कार्यकाल पूरा हुआ, उसे स्वर्णिम काल के रूप में देखते हैं। राजस्थान से डॉ. हरीश चंद्र शास्त्री ने कहा, पीएम मोदी के 11 साल का कार्यकाल बहुत ही प्रशंसनीय है। इस दौरान भारत का नवनिर्माण हुआ है। भारत की आर्थिक स्थिति भी सुधरी है और देश दुनिया में चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। अयोध्या में भगवान श्री राम के भव्य मंदिर का निर्माण हुआ है। मध्य प्रदेश शिवपुरी से महामंडलेश्वर पुरुषोत्तम दास ने कहा, पीएम मोदी के 11 साल पूरे होने की बधाई। पीएम मोदी की देन है कि आज हमारा देश पूरे विश्व में प्रतिष्ठित पहचान बनाने में सफल हुआ है। पीएम मोदी के कार्यकाल में भारत हर क्षेत्र में अग्रणी रहा। पहलगाम हमले के बाद जो सबक सिखाया गया, उसे पूरे विश्व ने देख लिया है। सीता राम दास महाराज ने

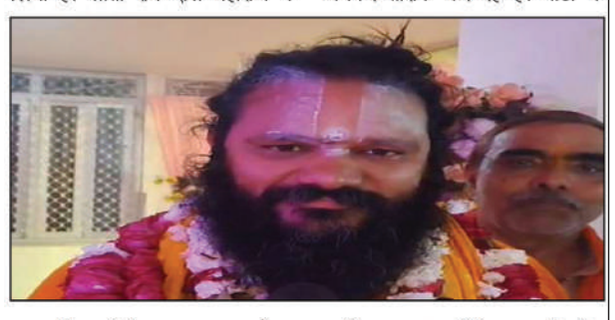

कहा, पीएम मोदी का 11 साल गौरव वर्ष रहे हैं। भारत की स्थिति पूरे विश्व में सुधार हुई है। देश के सनातन को शीर्ष पर पहुंचने का काम किया है। सभी लोग उत्साहित और आनंदमयी हैं। भारत के जनमानस के लिए गौरव का विषय है। उल्लेखनीय है कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बने हुए 9 जून को 11 साल पूरे हो गए। भाजपा नेता पीएम मोदी के नेतृत्व में देश के 11 साल के कार्यकाल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके एनडीए सरकार के 11 साल की खूबियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में हम 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र को लेकर आगे बढ़े और इसमें कामयाब भी हुए।

पाकिस्तानी गोलाबारी में क्षतिग्रस्त मकानों के लिए अतिरिक्त मुआवजा

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गृह मंत्रालय से पाकिस्तान की गोलाबारी में क्षतिग्रस्त हुए 2060 मकानों के लिए केंद्र सरकार के मुआवजे के अतिरिक्त 25 करोड़ रुपए का प्रावधान करने को कहा है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू और कश्मीर के सीमावर्ती जिलों में पाकिस्तानी गोलाबारी में क्षतिग्रस्त हुए घरों के लिए हाल ही में मुआवजा राशि दिए जाने की घोषणा की थी।

गृह मंत्रालय ने बताया कि पूरी तरह से क्षतिग्रस्त प्रत्येक घर के लिए दो लाख रुपये और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त प्रत्येक घर के लिए एक लाख रुपये की अतिरिक्त मुआवजा राशि की घोषणा का त्वरित अनुपालन सुनिश्चित कराया गया है। पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी इसी प्रकार से मुआवजा दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने पिछले सप्ताह जम्मू और कश्मीर दौरे के दौरान अपने सम्बोधन में प्रभावित परिवारों के साथ खड़े रहने, उन्हें निरंतर राहत सुनिश्चित करने और उनके

घरों और जीवन को फिर से खुशहाल बनाने में उनकी मदद करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। केन्द्रीय गृह मंत्री ने 29 और 30 मई को पुंछ का दौरा किया था।

कांग्रेस ने तेलंगाना इकाई के लिए 27 उपाध्यक्षों और 69 महासचिवों की घोषणा की

एजेंसी

हैदराबाद । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के 27 उपाध्यक्षों और 69 महासचिवों की घोषणा की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उपाध्यक्षों और महासचिवों की नियुक्ति के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने सोमवार रात सूची जारी की। ये नियुक्तियां पिछले छह महीने से लंबित थीं। यह एआईसीसी द्वारा टीपीसीसी की पांच समितियों की नियुक्ति के कुछ दिनों बाद आई है। उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए लोगों में कुछ सांसद, विधायक और एमएलसी शामिल हैं। नलगोंडा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद के. रघुवीर रेड्डी को उपाध्यक्ष नामित किया गया

है। विधायक नैनी राजेंद्र रेड्डी और डॉ. चिक्कुडु वामशी किर्हसना और एमएलसी बालमूर वेंकट और बसवराजू सरैया को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एआईसीसी सदस्य और वर्तमान टीपीसीसी महासचिव कोटा नीलिमा को उपाध्यक्ष नामित किया गया है। अन्य उपाध्यक्षों में टी. कुमार राव, हनुमंदला झांसी रेड्डी, बंदी रमेश, कोंडरू पुष्पलीला, बी. कैलाश कुमार, नमिन्दला श्रीनिवास, अथराम सुगुना, गली अनिल कुमार, चितला सत्यनारायण, लकावथ धनवंती, एम. वेणु गौड़, कोटिमरेड्डी विनय रेड्डी, कोंडेती मल्लैया, एम.ए. फहीम, एस. सुरेश कुमार, बोंटू राममोहन, अफसर यूसुफ जही, एस. जगदीश्वर राव, नवाब मुजाहिद आलम खान, गुम्माला मोहन रेड्डी और चिन्नापटाला संगमेश्वर हैं। कांग्रेस नेतृत्व ने नियुक्तियों में पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यकों को उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया है। विधायक वेदमा बोज्जू, पर्णिका रेड्डी और मटका रागमयी पार्टी द्वारा नियुक्त 69 महासचिवों में से हैं। ये नियुक्तियां राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार के एक दिन बाद की गईं, जिसमें तीन मंत्रियों को शामिल किया गया।

जी विवेक वेंकटस्वामी, अदलुरी लक्ष्मण कुमार और वक्ति श्रीहरि ने मंत्री पद की शपथ ली। यह मंत्रिमंडल का पहला विस्तार था, जिसका गठन 7 दिसंबर, 2023 को मुख्यमंत्री और 11 मंत्रियों के शपथ ग्रहण के साथ हुआ था। लंबे समय से लंबित यह विस्तार पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा तीन मंत्रियों के नामों को मंजूरी दिए जाने के बाद हुआ। हालांकि मंत्रिमंडल में रिक्तियां हैं, लेकिन पार्टी नेतृत्व ने तीन पद खाली रखने का फैसला किया है।

सर्वांगीण प्रगति के लिए संवेदनशीलता के साथ युगांतरकारी परिवर्तन किए मोदी सरकार ने

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने 11 वर्षों के कार्यकाल में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र पर चलते हुए आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक जन-केंद्रित, समावेशी तथा सर्वांगीण प्रगति को प्राथमिकता दी है और संवेदनशीलता के साथ युगांतरकारी परिवर्तन किए हैं।केन्द्र में राजग सरकार के ग्यारह वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री तथा वरिष्ठ मंत्रियों के साथ-साथ सत्तारूढ पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने भी सरकार की उपलब्धियों का जोर शोर से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देश ने 140 करोड़ लोगों की सामूहिक भागीदारी से सुशासन के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बदलाव देखा है, जिससे तेजी से प्रगति हुई है और 'जीवन में सुगमता' आयी है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में राजग सरकार के केन्द्र

की सत्ता में आने के बाद श्री मोदी ने पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के 11 वर्ष पूरे होने के अवसर पर श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा,' सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के सिद्धांत से प्रेरित होकर राजग सरकार ने तेजी से और संवेदनशीलता के साथ युगांतकारी परिवर्तन किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि जलवायु परिवर्तन और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी बन गया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक, सरकार ने जन-केंद्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज न केवल सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कार्रवाई और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी है।

उन्होंने कहा कि देश को इस सामूहिक सफलता पर गर्व है लेकिन इसके साथ ही, हम आशा तथा विश्वास के साथ विकसित भारत के निर्माण के लिए नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'अभूतपूर्व विकास' और 'युगांतरकारी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन' का युग बताया है।

मुंबई लोकल ट्रेनों में ऑटोमेटिक दरवाजे को लेकर रेलमंत्री ने की बैठक, निकाला समाधान

नई दिल्ली। मुंबई में हुई एक दुखद घटना के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने इंटीग्रल कोच फैक्टरी (आईसीएफ) की टीम के साथ विस्तृत बैठक की। बैठक का उद्देश्य मुंबई में चलने वाली नॉन-एसी लोकल ट्रेनों में ऑटोमैटिक दरवाजा बंद करने से जुड़े मुद्दे का समाधान खोजना था। रेल मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि नए नॉन-एसी कोच इस प्रकार डिज़ाइन और निर्मित किए जाएंगे जिससे वेंटिलेशन की समस्या का समाधान हो सके। इसके लिए तीन प्रमुख डिज़ाइन बदलाव किए जाएंगे। पहला- दरवाज़ों में लूवर्स लगाए जाएंगे, ताकि बंद दरवाज़ों के बावजूद हवा का प्रवाह बना रहे। दूसरा, कोच की छत पर वेंटिलेशन यूनिट्स लगाई जाएंगी, जो बाहर से ताज़ी हवा अंदर पहुंचाएंगी। तीसरा, कोचों में वेस्टीब्यूल्स होंगे, ताकि यात्री एक कोच से दूसरे कोच में आसानी से जा सकें और भीड़ का संतुलन स्वाभाविक रूप से बन सके। इस नई डिज़ाइन वाली पहली ट्रेन इस साल नवंबर तक तैयार हो जाएगी। आवश्यक परीक्षणों और प्रमाणन के बाद इसे जनवरी 2026 तक सेवा में लाया जाएगा। यह प्रयास मुंबई उपनगरीय नेटवर्क के लिए बनाए जा रहे 238 एसी ट्रेनों के अतिरिक्त है।

गोवा और झारखंड में डॉक्टरों के साथ हाल ही में हुई घटनाओं पर आईएमए ने जताई चिंता

नई दिल्ली। भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमआई) ने डॉक्टरों के साथ गोवा और झारखंड में हाल ही में हुई घटनाओं पर अपनी गहरी चिंता और निराशा व्यक्त की है। आईएमए ने मांग की है कि अधिकांश राज्यों में लागू मेडिकेयर सेवा कार्मिक और मेडिकेयर सेवा संस्थान अधिनियम को और मजबूत किया जाए। विशेष रूप से, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के खिलाफ हिंसा या उत्पीड़न के किसी भी कृत्य को कम से कम सात साल की कैद की सजा के साथ गैर-जमानती अपराध बनाया जाना चाहिए। आईएमए ने एक बयान में कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त राष्ट्रीय टास्क फोर्स को रेजिडेंट डॉक्टरों और समग्र रूप से चिकित्सा बिरादरी की सुरक्षा और कल्याण के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों को सख्ती से लागू करना चाहिए। डॉक्टर के तौर पर उनकी गरिमा से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। डॉक्टर हिप्पोक्रेटिक शपथ को कायम रखने और मानवता की सेवा करने में दृढ़ रहते हैं, इसलिए लोगों से यह भी उम्मीद रहती हैं कि इस सेवा का सम्मान, सुरक्षा और न्याय किया जाए। आईएमए ने कहा कि जिस तरह से गोवा मेडिकल कॉलेज और हज़ारीबाग सरकारी मेडिकल कॉलेज में राजनीतिक नेताओं ने परेशान किया।

भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए हमें अपने इतिहास, साहित्य व संस्कृति को स्मरण कर उसे समृद्ध करना होगा: गडकरी

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार राकेश शुक्ला की पुस्तक तानसेन का ताना-बाना का लोकार्पण नई दिल्ली केशव कुंज स्थित विचार विनिमय न्यास सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मुख्यातिथि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, अगर भारत को विश्वगुरु बनाना है तो हमें अपने इतिहास, साहित्य और संस्कृति को स्मरण कर उसे समृद्ध करना होगा। हमारा इतिहास, हमारी संस्कृति, हमारी विराशत हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं जो भविष्य के निर्माण के लिए आवश्यक है। हमें अपनी कमियां दूर करते हुए अपने भूतकाल के इतिहास को लिखते रहना चाहिए ताकि नई पीढ़ी को वह बता सकें और दिखा सकें। ऐसी पुस्तकें नई पीढ़ी को उपहार में दी जानी चाहिए, ताकि वे अपनी जड़ों से जुड़ सकें। उन्होंने सुरुचि प्रकाशन को विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे प्रकाशकों का कार्य सराहनीय है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि तानसेन का संगीत के क्षेत्र में योगदान अतुलनीय है जिसकी तुलना भी नहीं की जा सकती। तानसेन ने अपने काल में जब शासन में ऐसे लोग बैठे थे जो संगीत को ज्यादा महत्व या प्रोत्साहन नहीं देते थे तब भी उन्होंने संगीत परम्परा को आगे बढाने और उसको कायम रखने में बहुत संघर्ष किया।

दिल्ली में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार, मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में पारा एक बार फिर 45 के पार पहुंच गया। आयानगर में अधिकतम तापमान 45.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार दिनों तक उत्तर-पश्चिम भारत में लू की स्थिति रहने की संभावना है। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार और मंगलवार को तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने की उम्मीद है, जिससे अलग-अलग जगहों पर लू की स्थिति पैदा होगी। मौसम विभाग ने इस क्षेत्र के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया। भारत मौसम विभाग के अनुसार, सफदरजंग - 43.4 डिग्री सेल्सियस,

पालम - 44.3 डिग्री सेल्सियस, लोधी रोड- 43.3 डिग्री सेल्सियस, रिज- 44.9 डिग्री सेल्सियस, आया नगर- 45.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

गैरजिम्मेदाराना विपक्ष का रोल निभा रहे हैं राहुल गांधी: जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली ।भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ऑपरेशन सिंदूर पर की गई टिप्पणियों को लेकर राहुल गांधी पर हमला बोला है। नड्डा ने कहा कि वे (राहुल) गैरजिम्मेदाराना विपक्ष का रोल निभा रहे हैं। भगवान उनको सद्बुद्धि दें। मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में नड्डा ने भारत की विदेश नीति और ऑपरेशन सिंदूर पर कांग्रेस नेता की टिप्पणियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के उद्देश्य को समझना बहुत मुश्किल है। जब वे सर्वदलीय बैठक में जाते हैं तो कहते हैं कि वे देश के साथ खड़े हैं, लेकिन जब वे बाहर निकलते हैं तो वे सवाल उठाने लगते हैं, ऐसे सवाल जो पूरी तरह से निराधार हैं। इसलिए वे एक गैर-जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभा रहे

हैं। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में नड्डा ने कहा कि जितना जनसंवाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करते हैं, उतना जयराम रमेश ने जीवन में बात नहीं की होगी। कांग्रेस के चुनाव आयोग पर उठाए गए सवाल पर नड्डा ने कहा कि जब वे कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश जीतते हैं तो सब ठीक रहता है और हारते हैं तो सब खराब हो जाता है। कांग्रेस की तो यह आदत बन गई है। चार प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक ही विषय पर अलग-अलग आंकड़े ले कर आते हैं। कांग्रेस को अपने विषय में सोचना चाहिए। अपने नेतृत्व पर विचार करना चाहिए। नड्डा ने आर्थिक विकास, महिला सशक्तीकरण पहल और ऑपरेशन गंगा जैसे सफल प्रत्यावर्तन प्रयासों सहित प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर सरकार के 11 साल की उपलब्धियां गिनाते हुए नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार जनता के नेतृत्व वाली सरकार है। पिछले कुछ सालों में हमने पारदर्शिता लाई है और एक दूरदर्शी, भविष्योन्मुखी प्रशासन बनाया है। इसीलिए हम विकसित भारत की बात करते हैं। यह अमृत काल है। पिछले 11 सालों ने वास्तव में विकसित और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी है। इस मौके पर नड्डा ने प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने सभी से नमो ऐप पर भारत की विकास यात्रा पर सर्वेक्षण में भाग लेने का आग्रह किया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी से नमो ऐप पर पिछले 11 वर्षों में भारत की विकास यात्रा पर सर्वेक्षण में भाग लेने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री ने सेवा के 11 वर्ष हैस टैग के साथ एक्स पोस्ट में कहा, ÷आपके विचार सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। नमो ऐप पर इस सर्वेक्षण में भाग लें और हमें बताएं कि आप पिछले 11 वर्षों में भारत की विकास यात्रा को कैसे देखते हैं।प्रधानमंत्री ने नमो ऐप पर सर्वेक्षण का लिंक साझा किया है, जहां कोई भी व्यक्ति भारत की विकास यात्रा पर अपने विचार साझा कर सकता है। यह सर्वेक्षण पिछले 11 वर्षों में भारत की विकास यात्रा पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री ने जन मन सर्वेक्षण का भी उल्लेख किया है, जो भारत की विकास यात्रा पर केंद्रित है। इस सर्वेक्षण के माध्यम से सरकार

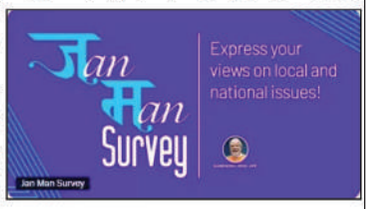

लोगों के विचारों और सुझावों को जानना चाहती है। उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार ने आज 11 वर्ष पूरे कर लिए हैं। मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। दूसरी बार 30 मई 2019 को और तीसरी बार 9 जून 2024 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी।

एक्सिओम-4 का प्रक्षेपण मौसम के कारण 11 जून तक स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली। इसरो ने जानकारी साझा करते हुए कहा कि मौसम की स्थिति के कारण भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर ले जाने वाले एक्सिओम-4 मिशन का प्रक्षेपण 11 जून तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

स्पेसएक्स का फाल्कन-9 रॉकेट मंगलवार शाम को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर (केएससी) से प्रक्षेपित होने वाला था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने कहा, मौसम की स्थिति के कारण भारतीय गगनयात्री को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भेजने के लिए एक्सिओम-4 मिशन का प्रक्षेपण 10 जून 2025 से 11 जून 2025 तक स्थगित कर दिया गया है। प्रक्षेपण का लक्षित समय 11 जून 2025 को शाम 5:30 बजे (आईएसटी) है। एक्स-4 मिशन भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि शुभांशु शुक्ला चार दशकों में अंतरिक्ष की

यात्रा करने वाले पहले भारतीय बनेंगे, जो राकेश शर्मा के नक्शेकदम पर चलने वाले हैं, जिन्होंने 1984 में सोवियत अंतरिक्ष यान में उड़ान भरी थी। यह मिशन भारत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा, क्योंकि वह एक्सिओम स्पेस के नेतृत्व में एक निजी मिशन के माध्यम से भारतीय मूल की अपनी पहली महिला अंतरिक्ष यात्री को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले इस मिशन को 29 मई के लिए शेड्यूल किया गया था। लेकिन, कुछ तकनीकी खामियों के चलते इसे स्थगित कर दिया गया। फिर इसके लॉन्चिंग के लिए 10 जून की तारीख तय की गई थी। आपको बता दें केंद्र सरकार ने एक्स-4 मिशन में भारत की भागीदारी के लिए 550 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

इंटरनेशनल फिल्म सिटी परियोजना को मिली नई रफ्तार, अपॉइंटेड डेट घोषित

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने बहुप्रतीक्षित इंटरनेशनल फिल्म सिटी परियोजना को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्राधिकरण ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 'अपॉइंटेड डेट' निर्धारित कर दी है। इसके साथ ही फिल्म सिटी के निर्माण का औपचारिक रास्ता अब पूरी तरह साफ हो गया है।यमुना प्राधिकरण द्वारा जारी पत्र के अनुसार, बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी प्राइवेट लिमिटेड को इंटरनेशनल फिल्म सिटी के पहले चरण के तहत भूखंड संख्या आईएफसी -01 पर निर्माण की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस चरण में फिल्मिंग सुविधाएं और फिल्म इंस्टीट्यूट की स्थापना की जाएगी, जिसके लिए संबंधित भवन मानचित्र भी स्वीकृत कर दिए गए हैं। यह स्वीकृति प्रदान की गई, जो अब 'अपॉइंटेड डेट' मानी जाएगी। यह फिल्म सिटी यमुना एक्सप्रेसवे पर जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास विकसित की जा रही है। परियोजना का उद्देश्य भारत को विश्वस्तरीय फिल्म निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना है। फिल्म सिटी में अत्याधुनिक शूटिंग स्टूडियो, पोस्ट-प्रोडक्शन सुविधाएं, प्रशिक्षण संस्थान और अन्य तकनीकी ढांचे विकसित किए जाएंगे। बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी प्राइवेट लिमिटेड को इस परियोजना का कार्य निष्पादन सौंपा गया है, और अब अपॉइंटेड डेट घोषित होने के बाद उन्हें निर्धारित समयसीमा में निर्माण कार्य शुरू करना होगा। समझौते की शर्तों के अनुसार, इसी तिथि से अनुबंध की शेष अवधि की गणना की जाएगी। यमुना अथॉरिटी के विशेष कार्याधिकारी शैलेन्द्र कुमार भाटिया द्वारा हस्ताक्षरित इस आदेश के अनुसार, अब परियोजना पर तेजी से काम होने की उम्मीद

है। यह परियोजना न सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री के लिए एक नया केंद्र बनेगी, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक विकास, रोजगार और पर्यटन को भी बढ़ावा देगी। बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप के प्रतिनिधि की मौजूदगी में यमुना अथॉरिटी के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने इस पत्र को उन्हें सौंपा है। फिल्म सिटी के पहले चरण के सफल क्रियान्वयन के बाद इसका विस्तार आगामी चरणों में किया जाएगा, जिसमें इंटरनेशनल स्टूडियोज, फिल्म संग्रहालय, ओपन थिएटर और फिल्म मेले जैसी सुविधाओं को शामिल किया जाएगा।

राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग का पलटवार, कांग्रेस पर गंभीर सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हालिया आरोपों को लेकर बयान जारी किया है। सूत्रों के अनुसार, आयोग ने स्पष्ट किया है कि राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोप 'बेबुनियाद' हैं और अब तक उन्होंने आयोग से मिलने के लिए कोई समय नहीं मांगा है, न ही कोई औपचारिक शिकायत या पत्र भेजा है। चुनाव आयोग के अनुसार, राहुल गांधी ने दो दिन बीत जाने के बावजूद न तो आयोग से मिलने का समय मांगा है और न ही कोई शिकायत या पत्र सौंपा है। आयोग ने सवाल उठाया कि जब उनके पास शिकायत है, तो वह मिलने क्यों नहीं आ रहे? चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी को आयोग द्वारा 24 दिसंबर 2024 को विधिवत जवाब दिया जा चुका है, जो कि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग ने कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को सलाह दी है कि वे

अपने-अपने क्षेत्रों के सभी बूथों पर बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) नियुक्त करें और मतदाता सूची के अद्यतन प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लें। यह प्रक्रिया हर साल चुनावों से पहले नियमित रूप से होती है। चुनाव आयोग ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों के बीएलए के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम पहले से ही आयोग के प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे हैं। अगर कांग्रेस इसमें भाग नहीं लेना चाहती, तो उसे यह विश्वास रखना चाहिए कि बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) जो चुनाव पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) द्वारा आरपी अधिनियम 1950 की धारा 13बी(2) के अंतर्गत नियुक्त होते हैं, निष्पक्ष कार्य कर रहे हैं। आयोग ने बताया कि मतदाता सूची की तैयारी, मतदान और मतगणना की जिम्मेदारी क्रमशः ईआरओ, पीआरओ और आरओ की होती है, जो अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग के निर्देशन और नियंत्रण में कार्य करते हैं। हालांकि, अंततः फैसला मतदाता ही करते हैं कि वे किसे चुनना चाहते हैं। चुनाव आयोग ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यदि कोई राजनीतिक दल पहले से चुनावी परिणामों को लेकर तैयारी करना चाहता है, तो उसे राजनीतिक क्षेत्र में करना चाहिए, न कि एक धारणा बनानी चाहिए कि वह ÷रेफरी से लड़ रहा है।आयोग ने कहा कि भारत के मतदाता इतने समझदार हैं कि वे जान सकते हैं कि कांग्रेस हर बार चुनाव हारने के बाद आयोग पर ही आरोप क्यों लगाने लगती है।

देशभर में जिला स्तर पर युवा इतिहासकारों की टीम बनाएगी इतिहास संकलन योजना

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना देशभर में जिला स्तर पर युवा इतिहासकारों की टीम का गठन करेगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के झंडेवाला स्थित कार्यालय केशव कुंज परिसर में आयोजित एक दिवसीय युवा इतिहासकार परिषद की राष्ट्रीय कार्यशाला में यह निर्णय लिया गया। कार्यशाला का आयोजन अ.भा. इतिहास संकलन योजना और माधव संस्कृति न्यास के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यशाला में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. बालमुकुंद पांडेय और सह संगठन मंत्री संजय मिश्र 'श्रीहर्ष' समेत कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे। अ.भा. इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय सचिव और युवा इतिहासकार परिषद् के संरक्षक डॉ. रत्नेश कुमार त्रिपाठी ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि चार सत्रों में विभाजित इस कार्यशाला में देश के 20 प्रांतों से आए प्रमुख प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे।

क्षेत्रीय संगठन सचिव (उत्तर-पूर्व) एवं युवा इतिहासकार परिषद के सह-संरक्षक डॉ. सुरेश पांडेय ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि कार्यशाला में इतिहास संकलन योजना के 10 प्रकल्पों सहित अन्य विषयों पर विचार-विमर्श हुआ तथा वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सभी का मार्गदर्शन किया। साथ ही, कार्य के संचालन के लिए 10 विषयों पर केंद्रित विशेष टीमों का गठन किया गया। निर्णय लिया गया कि प्रत्येक प्रांत में जिला युवा इतिहासकार प्रमुख के सहयोग से स्थानीय स्तर पर भी टीम का गठन किया जाएगा।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश के 11 साल सौभाग्यशाली रहे :शाहनवाज हुसैन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र के 11 साल को सौभाग्यशाली बताया। समाचार एजेंसी से बात करते हुए शाहनवाज हुसैन ने कहा, 'पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भाजपा के 11 साल स्वर्णिम साल हैं। पूरे देश में खुशी का माहौल है। पीएम मोदी भारत के लिए एक वरदान हैं। उनके नेतृत्व में भारत ने एक नई ऊंचाई प्राप्त की है। हर क्षेत्र में भारत को उपलब्धि मिली है। मैं पीएम मोदी और भारत सरकार को इसकी बधाई देता हूं।'

विपक्ष को घेरते हुए उन्होंने कहा, 'विपक्ष का काम आलोचना करने का है और वे आलोचना करते रहते हैं। किसी भी क्षेत्र में भारत पिछड़ा नहीं है। देश हर क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ा है।'दरअसल, नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर काबिज हुए 9 जून को 11 साल पूरे हो गए। भाजपा नेता पीएम मोदी के नेतृत्व में देश के 11 साल के कार्यकाल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके एनडीए सरकार के 11 साल की खूबियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में हम 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र को लेकर आगे बढ़े और इसमें कामयाब भी हुए। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेपी नड्डा ने कहा, ÷पीएम मोदी के नेतृत्व में 11 साल तक विकसित भारत और अमृत काल के लिए जो काम किया गया, उसे सुनहरे अक्षरों में लिखा जाना चाहिए। क्योंकि किए गए काम अकल्पनीय और अद्वितीय हैं और हमें यह ध्यान में रखना चाहिए कि पीएम मोदी ने देश की राजनीति की संस्कृति को किस तरह से बदला है।' जेपी नड्डा ने पूर्व की सरकारों की खामियां

गिनाते हुए कहा, '2014 से पहले पिछली सरकार भ्रष्टाचार और नकारात्मकता से भरी हुई थी। लेकिन 2014 के बाद पीएम मोदी के नेतृत्व में यह भावना बदल गई। अब लोग गर्व से कहते हैं, मोदी है तो मुमकिन है। हम गरीबी हटाओ का नारा लेकर नहीं चले हैं, हमने गरीब कल्याण करके दिखाया है। आंकड़े इस बात का सबूत हैं। देश में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। इसी तरीके से अति गरीबी में 80 प्रतिशत की कमी आई है।'

सीईसी ज्ञानेश कुमार स्टॉकहोम सम्मेलन में देंगे मुख्य भाषण, भारतीय प्रवासियों के साथ की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली।भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार स्वीडन में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल आईडीईए स्टॉकहोम कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी में मुख्य भाषण देंगे। इस सम्मेलन का आयोजन 10-12 जून को किया जा रहा है। इससे पहले सीईसी ने स्वीडन में भारतीय प्रवासियों के साथ मुलाकात की। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि सीईसी ज्ञानेश कुमार ने भारतीय प्रवासियों के साथ मुलाकात में चुनाव आयोग की विभिन्न पहलों और कार्यक्रमों पर चर्चा की। उन्होंने ऑनलाइन वोटर रजिस्ट्रेशन सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन ऑफ पोस्टल बैलेट मैनेजमेंट सिस्टम (ईटीपीबीएमएस) जैसी पहलों को उजागर किया, जो प्रवासी मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई हैं।स्टॉकहोम सम्मेलन में दुनिया भर के चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रमुख, नीति निर्माता और संस्थागत नेता एकत्र होंगे। इस सम्मेलन में डिजिटल व्यवधान, चुनावी सुरक्षा, जलवायु संबंधी जोखिम और चुनावों में आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। सीईसी ज्ञानेश कुमार की इस

यात्रा से भारत की वैश्विक लोकतांत्रिक सहयोग और चुनाव प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान की प्रतिबद्धता को और मजबूती मिलेगी। इस सम्मेलन में 50 से अधिक देशों के 100 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

सरकार अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने की बात कर रही, लेकिन रोजगार की बात नहीं कर रही : इमरान मसूद

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के 11 साल पूरे होने को लेकर एक तरफ जहां भाजपा अपनी सरकार की इन 11 साल की उपलब्धियों को गिना रही है वहीं विपक्षी दलों के द्वारा इस पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। जहां एक ओर भाजपा नेता केंद्र सरकार की उपलब्धियों को गिना रहे हैं, वहीं विपक्षी पीएम मोदी के 11 साल की आलोचना कर रहे हैं। इसी कड़ी में सहारनपुर के कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने पीएम मोदी के 11 साल के कार्यकाल की आलोचना की। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सरकार अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने की बात तो कर रही है, लेकिन रोजगार की बात नहीं कर रही।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा, सरकार बता रही है कि देश के 135 करोड़ लोगों में से 80 करोड़ लोग फ्री राशन पा रहे हैं, क्या ये आंकड़े सच्चे हैं? अगर ऐसा है तो यह विकसित या विकासशील देश की निशानी नहीं है। उन्होंने कहा, सरकार वक्फ संशोधन बिल को अपने उपलब्धियों के रूप में प्रचार कर रही है। वह यह बता दें कि वक्फ की संपत्तियों का क्या होगा? उन्होंने

सीएए के तहत कितने लोगों को नागरिकता देने और छीनने का काम कर दिया? सरकार 11 साल के अंदर पूरी तरह से फेल साबित हुई। हम विश्व गुरु बनने चले थे, लेकिन हालत यह हो गई कि संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद विरोधी उपसमिति में आतंकवाद को परोसने वाला मुल्क पाकिस्तान उसका उपाध्यक्ष बन रहा है। क्या हमारी यह विदेश नीति है? यह समय आत्ममंथन और आत्मचिंतन का है मसूद ने कहा, यूपीए की सरकार डॉलर की कीमत 63 रुपए पर छोड़कर गई थी, जो आज 86 पर चला गया। सरकार बता रही है कि हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ गई, लेकिन रोजगार की बात नहीं कर रही। नौकरियों में वे आरक्षण को खत्म करने का काम कर रहे हैं। क्या किसान की आय दोगुनी हो गई? देश के अन्नदाता को वे एक वर्ग मानने को तैयार नहीं हैं।कांग्रेस सांसद ने कहा, महिलाओं के लिए रसोई बनाना मुश्किल हो गया। 400 रुपए के सिलेंडर को 1,000 रुपए कर दिया। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने से क्या वहां आतंकवाद खत्म हो गया? वहां पहलगाम जैसी आतंकी घटना कैसे हो गई? सबसे पहला काम आतंकवाद के मूल को खत्म करने का है। जब ऐसा समय आया तो सरकार ने सीजफायर कर दिया। अमेरिका से बटन दबा और पाकिस्तान के साथ सीजफायर हो गया।

सिंगापुर के कंटेनर पोत में विस्फोट के बाद आग लगी, चालक दल के 04 सदस्य लापता

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलंबो बंदरगाह से मुंबई के न्हावा शेवा की ओर जा रहे सिंगापुर के ध्वज वाले कंटेनर पोत वान हाई 503 में सोमवार सुबह कोच्चि में बेपोर के तट से 88 समुद्री मील दूर विस्फोट के बाद आग लग गई। भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) ने चालक दल के 18 सदस्यों को बचा लिया है, जबकि 04 सदस्य लापता हैं। जहाज फिलहाल पानी में है, लेकिन आईसीजी ने आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। आईसीजी डोर्नियर विमान को जहाज के ऊपर निगरानी के लिए तैनात किया गया है। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि सिंगापुर के ध्वज वाला कंटेनर पोत वान हाई 503 श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह से 06 जून को रवाना हुआ था, ?जिसे 09 जून को मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह ?पहुंचना था। इस जहाज पर कुल 22 चालक दल के सदस्यों के साथ कंटेनर कार्गो थे। कोलंबो से न्हावा शेवा की ओर जा रहे जहाज ने आज सुबह लगभग 09?.30 बजे डेक के नीचे विस्फोट होने और बाद में आग लगने की सूचना दी। उस समय यह जहाज बेपोर के तट से 88 समुद्री मील दूर था। इसके बाद तत्काल भारतीय तटरक्षक के तीन जहाजों को मौके की ओर रवाना किया गया। आईसीजी के मुताबिक न्यू मंगलौर से आईसीजीएस राजदूत, कोच्चि से आईसीजीएस अर्नवेश और अगत्ती से आईसीजीएस सचेत को सहायता के लिए डायवर्ट करके चालक दल से संपर्क किया गया। दोपहर 12.40 बजे तक जहाज के अन्य कंटेनरों में भी आग लग गई, तो चालक दल के सदस्य जहाज छोड़कर लाइफ राफ्ट पर सवार हो गए। मुंबई के आईसीजी समुद्री बचाव समन्वय केंद्र ने एमवी वन मार्वल को भी भेजा, जिससे चालक दल के 18 सदस्य बच गए, जिसमें एक को गंभीर चोटें आई हैं। विस्फोट के समय से चालक दल के 04 सदस्य लापता हैं, जिनमें 02 ताइवानी, 01 इंडोनेशियाई और 01 म्यांमार के हैं। आईसीजी के डोर्नियर विमान को आकलन के लिए जहाज के ऊपर निगरानी करने के लिए तैनात किया गया है। आईसीजी के मुताबिक जहाज फिलहाल पानी में है और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए भारतीय तटरक्षक बल ने आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

संपादक की कलम से

11 सालों के शासन का सर्वे

नरेन्द्र मोदी समेत पूरी भाजपा इस समय मोदी सरकार के 11 साल पूरा होने की खुशियां मना रही है। इस मौके पर नरेन्द्र मोदी एक बार फिर नमो ऐप को सामने ले आए हैं, इस ऐप के जरिए वे जन मन सर्वे कर रहे हैं। अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इसकी जानकारी देते हुए श्री मोदी ने कहा कि लोग इस पर स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर अपनी राय सामने रखें और बताएं कि पिछले 11 बरसों में भारत के विकास पर उनकी क्या राय है।

अक्सर सर्वे एजेंसियां चुनाव से पहले अलग-अलग मुद्दों पर इसी तरह सर्वे कराती हैं, जिनमें लोगों से शीर्ष पद के लिए उनकी पसंद से लेकर किन मुद्दों पर वोट करेंगे जैसे सवाल किए जाते हैं। पूछा जाता है कि मौजूदा सरकार को वे कितने अंक देंगे, दोबारा मौका देंगे या नहीं, विपक्ष के लिए क्या संभावनाएं हैं। फिर सर्वे से हासिल आंकड़ों के आधार पर दल चुनावों को लेकर अपनी रणनीति बनाते हैं। जनता के जवाब से उन्हें अपनी गलतियों का पता चल जाता है और गलती सुधारने का मौका भी रहता है।

लेकिन आजकल इसमें भी गफलत होने लगी है। अब राजनैतिक दल जनता पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने के लिए भी सर्वे कराते हैं। जैसे किसी व्यक्ति विशेष को ही शीर्ष पद के योग्य दिखाकर उसे पक्ष में माहौल बनाया जाता है। या चुनावों में नैरेटिव तय करने में इन सर्वेक्षणों को जरिया बनाया जाता है। चुनावों के वक्त जो ओपिनियन पोल होते हैं, यह भी इसी खेल का हिस्सा है। अर्थात निष्पक्ष सर्वे करवाकर वास्तव में जनता की राय जानने की जगह राजनैतिक दल जनता को मानसिक तौर पर प्रभावित करते हैं कि वह वही सोचे और कहे, जो ये चाहते हैं। आजकल ऐसे सर्वे में मीडिया की भी बड़ी भूमिका हो चुकी है।

इस पृष्ठभूमि में देखें तो नमो ऐप के जरिए श्री मोदी जनता की जो राय लेना चाहते हैं, उसकी सार्थकता और सत्यता दोनों पर सवाल उठते हैं। पहली बात तो यही अजीब लगती है कि देश के प्रधानमंत्री को जनता की राय जानने के लिए अपने ही नामाक्षर के ऐप पर निर्भर होना पड़ता है। एक-दो साल नहीं पूरे 11 बरस से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठे हैं और देश-विदेश में वे लगातार घूमते हैं। खास कर चुनाव प्रचार के क्क्त वे दिल्ली में कम और चुनावी राज्य में अधिक दिखाई पड़ते हैं।

लेकिन वे चाहते हैं कि जनता उनके फैसलों का मूल्यांकन करे। दूसरी बात अपने काम पर प्रधानमंत्री जनता की मुहर लगवाना चाहते हैं, यह अच्छी बात है, लेकिन क्या उन्हें विपक्ष की आलोचना को सुनने की हिम्मत नहीं दिखाना चाहिए। हाल ही में पहलगाम हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक विपक्ष बार-बार संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर चुका है। दो-दो सर्वदलीय बैठकें हो गई हैं, लेकिन श्री मोदी एक भी बैठक में नहीं गए, न उन्होंने संसद का विशेष सत्र आयोजित किया। बल्कि अभी से मानसून सत्र की तारीख बता दी। जबकि संसद सत्र की तारीखें अमूमन हफ्ते भर पहले आती हैं, जो इस बार डेढ़ महीना पहले घोषित हो गईं। संसद में प्रधानमंत्री अपनी पूरी सरकार के साथ बैठें और विभिन्न फैसलों पर विपक्ष की राय सुनें तो उसी से 11 सालों का मूल्यांकन हो जाएगा। लेकिन ये रास्ता भी श्री मोदी ने नहीं चुना।

तीसरी बात मीडिया के जरिए 11 बरसों का लेखा-जोखा हो सकता था। श्री मोदी ने अपने कार्यकाल के पहले साल से लेकर अब तक एक भी खुली प्रेस कांफ्रेंस नहीं की, यह अपने आप में एक शर्मनाक रिकार्ड है। लोकतंत्र में खुले संवाद में मीडिया की अहम भूमिका रहती है। लेकिन अभी भारतीय मीडिया की साख किस तरह दांव पर लगी है, इसका एक उदाहरण वाशिंगटन पोस्ट में छपे लेख से सामने आया है। जिसमें यह उजागर किया गया है कि भारत के प्रमुख न्यूज चैनलों ने 9 मई की रात पाकिस्तान में तख्तापलट और युद्ध जैसी मनगढ़ंत खबरें फैलाईं, जो पूरी तरह झूठी साबित हुईं। रिपोर्ट में बताया गया है कि किस तरह व्हाट्सएप संदेशों, अज्ञात सूत्रों और सोशल मीडिया अफवाहों के आधार पर भारतीय मीडिया ने एक काल्पनिक युद्ध का ताना-बाना बुना, जिसे न तो सेना ने पुष्टि की और न ही सरकार ने। वॉशिंगटन पोस्ट ने यह जानने के लिए कि देश की सूचना प्रणाली कैसे झूठ और भ्रम से भर गई–और कैसे इसने एक निर्णायक क्षण के बारे में जनता की समझ को विकृत कर दिया, भारत के कुछ सबसे प्रभावशाली समाचार नेटवर्कों से जुड़े दो दर्जन से अधिक पत्रकारों और वर्तमान व पूर्व भारतीय अधिकारियों से बात की है, जिसका ब्यौरा इस लेख में दिया है।

ऐसा नहीं है कि जिन पत्रकारों ने पाकिस्तान के शहरों को तबाह करने या तख्तापलट जैसी खबरें चलाईं, वो अनजाने में हुआ है। बल्कि यह सब मोदी सरकार को अपराजेय दिखाने के लिए किया गया। जबकि चैनलों के पत्रकार यह बेईमानी नहीं करते, तब भी भारत विजेता ही रहता, क्योंकि हमारी सेनाओं ने अद्भुत पराक्रम दिखाया। लेकिन देश से बड़ा सरकार को दिखाने में पत्रकारों ने अपने पेशे को भी दगा दे दिया।

व्हाइट हाउस की हार!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने सनकी और अहंकारी स्वभाव के कारण न केवल विश्व राजनीति में बल्कि खुद अमेरिका में भी दिन-ब-दिन अलग-थलग पड़ते जा रहे हैं। वे लाइव शो में आए हुए राष्ट्रपतियों से ताव में आकर लड़ बैठते हैं, हिंदुस्थान-पाक युद्ध में युद्धविराम की घोषणा करते हैं और अरबपति उद्यमी एलन मस्क से सार्वजनिक रूप से बहस करते हैं, जिनकी मदद से उन्होंने चुनाव जीता था। ट्रंप के सनकी और अपरिपक्व व्यवहार के कारण, जो एक महाशक्ति के प्रमुख के लिए अशोभनीय है, दुनियाभर में अमेरिका की हंसी हो रही है और अब अमेरिकी लोग भी उनका मजाक उड़ाने लगे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप मनमाने तरीके से फैसले लेते हैं और फिर अमेरिकी अदालतें उनके पैष्ठसलों को या तो रद्द कर देती हैं या स्थगित कर देती हैं। अदालत में बार-बार मुंह की खाने के बावजूद, ह्यहम करें सो कायदाह्व के तानाशाही रवैये के कारण ट्रंप हर दिन नए फैसले लेते रहते हैं और अदालतें उन्हें विफल कर देती हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के ताजा पैष्ठसले के साथ भी यही हुआ। राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को एक फरमान जारी कर हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों पर प्रतिबंध लगाने के अपने फैसले की घोषणा की। हार्वर्ड वास्तव में एक अव्वल दर्जे का वैश्विक विश्वविद्यालय है, लेकिन ट्रंप ने एक विचित्र दावा करते हुए कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों को प्रवेश देना अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा होगा,

विदेशी छात्रों का प्रवेश

बंद कर दिया। यह प्रवेश बंदी ६ महीने के लिए लगा दी गई। आदेश में कहा गया था कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो यह तय करेंगे कि विश्वविद्यालय में वर्तमान में अध्ययन कर रहे विदेशी छात्रों के वीजा को रद्द किया जाए या नहीं। इससे हार्वर्ड, कैंब्रिज और मैसाचुसेट्स में पढ़नेवाले हजारों विदेशी छात्रों में डर का माहौल पैदा हो गया। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने अगले दिन राष्ट्रपति ट्रंप के फैसले के खिलाफ अमेरिकी संघीय अदालत का रुख किया और २४ घंटे के भीतर अदालत ने अमेरिकी राष्ट्रपति के फैसले पर रोक लगा दी। हमारे यहां कितने भी जरूरी मामले हों, वे सालों तक अदालतों में अटके रहते हैं और भले ही असंवैधानिक सरकारें सब कुछ अवैध होने के बावजूद अपना कार्यकाल पूरा कर लें, लेकिन अदालत की तारीखें कभी खत्म नहीं होतीं।

लेकिन अमेरिका में ऐसा नहीं होता। हमने ह्यव्हाइट हाउसह्व की कुछ मांगें नहीं मानी इसलिए राष्ट्रपति ट्रंप ने बदले की भावना से विदेशी छात्रों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने अदालत से इस अवैध फैसले को रोकने का अनुरोध किया और अदालत ने तुरंत इसे स्वीकार कर लिया।

पूर्वोत्तर को अराजकता में डाल सकती है हथियार नीति

सरकार नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने की अपनी मूल जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है, और लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से कानून अपने हाथ में लेने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। केंद्र और राज्य को अपनी सुरक्षा उपस्थिति बढ़ानी चाहिए और नागरिकों को हथियार देने की नीति को छोड?ा चाहिए। सरकार की सुरक्षा के अभाव में, नागरिकों के विशिष्ट समूह को हथियार देने का विचार सबसे खतरनाक खेल है।

पूर्वोत्तर भारत में सबसे मुखर हिंदुत्व चेहरा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा शर्मा, जिन्होंने अतीत में सांप्रदायिक आग को भड़काने का शौक दिखाया है, अब ऐसा लगता है कि उन्होंने हथियारों के संघर्ष की और भी भयानक आग के साथ खेलने का फैसला किया है, अगर राज्य में उनकी नयी हथियार नीति किसी भी तरह का संकेत देती है। उनके नेतृत्व में भाजपा के नेतृत्व वाली असम सरकार द्वारा नागरिकों के हाथों में अधिक हथियार देने का निर्णय पूरे पूर्वोत्तर में उग्रवादी और सांप्रदायिक हिंसा को और बढ़ायेगा, जो पहले से ही काफी समय से इस तरह के खतरे से पीड़ित है।

हिमंत विस्वा शर्मा बांग्लादेश के पास सीमावर्ती क्षेत्रों में स्वदेशी लोगों को हथियार देने के पक्ष में हैं। उन्होंने 29 मई, 2025 को स्पष्ट किया कि असम की नयी अस्त्र लाइसेंस नीति अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड की सीमा से लगे क्षेत्रों पर लागू नहीं होगी, क्योंकि ये क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील नहीं माने जाते हैं।

उनके बयान से दो बातें उभर कर आईं - पहली, बांग्लादेश से लगे असम के सीमावर्ती क्षेत्र संवेदनशील हैं; और दूसरी, अन्य पूर्वोत्तर राज्यों से लगे सीमावर्ती क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील नहीं हैं, हालांकि ये क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से सीमा विवादों और सशस्त्र संघर्षों में शामिल रहे हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि बांग्लादेश से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे सीमावर्ती क्षेत्र संवेदनशील रहे हैं, और उनकी सरकार स्पष्ट रूप से इसका संकेत देती दिखती है। सवाल यह है कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है? देश के हर नागरिक के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा की गारंटी भारत के संविधान द्वारा दी गयी है, और सरकारें इसकी गारंटी लेती हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग केवल इसलिए असुरक्षित हैं क्योंकि केंद्र अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करने में अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा है, और असम सरकार अपनी सीमा के भीतर भारतीय नागरिकों की सुरक्षा करने में असमर्थ है।

केंद्र और असम में भाजपा सरकार हमेशा बांग्लादेश से घुसपैठ रोकने की अपनी जिम्मेदारी विपक्ष पर डालने की कोशिश करती रही है, बार-बार देश को बताती रही है कि विपक्षी राजनीतिक दल अपने वोट बैंक के लिए बांग्लादेश से मुस्लिम घुसपैठियों को अनुमति देते रहे हैं। भाजपा की डबल इंजन सरकारें क्या कर रही हैं - असम में 2016 से और केंद्र में 2014 से? बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रहने वाले लोग यदि असुरक्षित हैं तो क्या यह उनकी सरकार की विफलता नहीं है? नागरिकों की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। अगर सरकारें अपनी शक्तिशाली प्रशिक्षित सेना और सशस्त्र पुलिस बल के साथ सुरक्षा नहीं दे सकती हैं, तो नागरिक केवल हथियारों की आपूर्ति से खुद की रक्षा कैसे कर सकते हैं?

नागरिक न तो खुद की रक्षा कर सकते हैं और न ही अपने हथियारों की। हमने हाल ही में मणिपुर में इसे देखा है, जहां विद्रोही या उग्रवादी समूहों द्वारा सशस्त्र बलों से हथियार लूटे गये थे। असम के मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से इससे कोई सबक नहीं लिया है। यही कारण है कि कैबिनेट नोट में कहा गया है कि नीति का उद्देश्य गैरकानूनी खतरों के लिए निवारक के रूप में कार्य करना और स्वदेशी समुदायों की व्यक्तिगत सुरक्षा और आत्मविश्वास में सुधार करना है।

यह सरकार की गलत धारणा है, क्योंकि हमने पूरे देश में देखा है कि हथियार रखने वाले लोगों को उग्रवादी समूहों द्वारा केवल हथियार छीनने के लिए निशाना बनाया जाता है। हथियार आपूर्ति करने के बाद नागरिकों की सुरक्षा कौन करेगा?

असम सरकार ने नयी हथियार नीति को मंजूरी देकर अप्रत्यक्ष रूप से स्वीकार किया है कि सरकार के सुरक्षा बल सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिकों को सुरक्षा देने में असमर्थ हैं। शर्मा ने खुद कहा, 'बांग्लादेश में हाल ही में हुए घटनाक्रमों के कारण इन जिलों में मूल निवासी असुरक्षा के माहौल में रह रहे हैं। उन्हें बांग्लादेश की ओर से और यहां तक कि अपने ही गांवों से हमलों का खतरा है।' नयी हथियार नीति कथित तौर पर असम के धुबरी, नागांव, मोरीगांव, बारपेटा, गोलपारा और दक्षिण सलमारा-मनकाचर जिलों में लागू की जायेगी, जहां बांग्लादेश मूल के मुस्लिम बहुसंख्यक हैं और मूल निवासी अल्पसंख्यक हैं।

शर्मा ने कहा है, 'सरकार पात्र लोगों को हथियार लाइसेंस देने में उदारता बरतेगी, जो मूल निवासी होने चाहिए और मूल निवासी समुदायों से संबंधित होने चाहिए।' इसका क्या मतलब है? गैर-मुस्लिमों, स्वदेशी लोगों और मूल निवासियों यानी हिंदुओं को प्रभावी ढंग से हथियार मुहैया कराये जायेंगे। शर्मा ने जोर देकर कहा है कि नीति का उद्देश्य नागरिकों का सैन्यीकरण करना नहीं है, बल्कि 1985 से चली आ रही एक लंबे समय से चली आ रही मांग को संबोधित करना है, लेकिन किसी भी सरकार ने यह निर्णय लेने की हिम्मत नहीं की। हालांकि यह नीति सीमावर्ती क्षेत्रों के नाम पर लायी गयी है, लेकिन इसे पूरे राज्य में लागू किये जाने की संभावना है। शर्मा ने कहा, 'सरकार उन संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करेगी जहां हम स्वदेशी लोगों को उदार तरीके से हथियार लाइसेंस देंगे। गुवाहाटी के हाटीगांव जैसे क्षेत्रों को भी संवेदनशील क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया जा सकता है।' इसमें कोई संदेह नहीं है कि ये उदारतापूर्वक प्राप्त हथियार असम के सभी क्षेत्रों और अन्य जगहों पर भी पहुंच सकते हैं। पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों, खासकर अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड के सीमावर्ती राज्यों में सशस्त्र हिंसा का खतरा बढ़ जायेगा। सीमा विवाद और संघर्ष के कारण अंतर-राज्यीय सीमा क्षेत्रों में सशस्त्र

हिंसा का खतरा बढ़ जायेगा। हथियार उग्रवादी समूहों और विद्रोहियों के हाथों में भी पड़ सकते हैं, और गलत हाथों में भी। नागरिकों के हाथों में हथियार देना अत्यधिक जोखिम भरा है, जो राज्य के भीतर लोगों के विभिन्न समूहों के बीच हिंसा और सशस्त्र संघर्षों के प्रसार से कम नहीं है, और पूरे पूर्वोत्तर में भी, जो पहले से ही जातीय, उग्रवादी या विद्रोही हिंसा से पीड़ित है।

भारत में माओवादी खतरे का मुकाबला करने के लिए छत्तीसगढ़ में नागरिकों को हथियार आपूर्ति करने का एक उदाहरण है, जिसके कारण 2000 के दशक में अराजकता फैल गयी थी। भारत के सर्वोच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा और नीति को अवैध घोषित करना पड़ा। असम के मुख्यमंत्री ने शायद उससे भी कोई सबक नहीं सीखा। फिर अन्य मुद्दे हैं - जैसे सांप्रदायिक हिंसा के बढ़ते जोखिम और सशस्त्र नागरिकों द्वारा अन्य लोगों के खिलाफ सतर्कतावाद। असम और पूर्वोत्तर पहले से ही देश का बहुत संवेदनशील क्षेत्र है। जहां तक सांप्रदायिक, जातीय, उग्रवादी या विद्रोही हिंसा का सवाल है, उनका इस क्षेत्र में इतिहास रहा है।

आत्मरक्षा के लिए कथित तौर पर नयी हथियार नीति के माध्यम से नागरिकों के विशिष्ट समूह को हथियार देकर, भाजपा की डबल इंजन सरकार नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने की अपनी मूल जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है, और लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से कानून अपने हाथ में लेने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। केंद्र और राज्य को अपनी सुरक्षा उपस्थिति बढ़ानी चाहिए और नागरिकों को हथियार देने की नीति को छोड?ा चाहिए। सरकार की सुरक्षा के अभाव में, नागरिकों के विशिष्ट समूह को हथियार देने का विचार सबसे खतरनाक खेल है।

भारतीय अध्यात्म जगत के महासूर्य हैं कबीर

– ललित गर्ग –

भारतीय संत परम्परा और संत-साहित्य में संत कबीर एक महान हस्ताक्षर, समाज-सुधारक, अध्यात्म की सुदृढ़ परम्परा के संवाहक एवं अनूठे संत हैं। जब भारतीय समाज और धर्म का स्वरूप रूढ़ियों एवं आडम्बरों में जकड़ा एवं अधंकारमय था, एक तरफ मुसलमान शासकों की धर्मांधता से जनता त्राहि-त्राहि कर रही थी और दूसरी तरफ हिंदूओं के कर्मकांडों, विधानों एवं पाखंडों से धर्म-बल का ह्रास हो रहा था, तब संत कबीर एक रोशनी बनकर समाज को दिशा दी। कबीर ने मानव चेतना के विकास के हर पहलू को उजागर किया। श्रीकृष्ण, श्रीराम, महावीर, बुद्ध, जीसस के साथ-ही-साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों-आदि शंकराचार्य, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा में कबीर ने धर्म की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य किया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके दोहों-विचारों से अस्पर्शित रहा हो। अपनी कथनी और करनी से मृतप्रायः मानव जाति के लिए कबीर ने संजीवनी का कार्य किया। इतिहास गवाह है, इंसान को ठोंक-पीट कर इंसान बनाने की घटना कबीर के काल में, कबीर के ही हाथों हुई। शायद तभी कबीर कवि मात्र ना होकर युगपुरुष और युगस्त्रष्टा कहलाए।

महात्मा कबीर सत्व, रज, तम तीनों गुणों को छोड़कर त्रिगुणातीत बन गये थे। उन्होंने निर्गुण रंगी चादरिया रे, कोई ओढ़े संत सुजान को चरितार्थ करते हुए सद्भावना और प्रेम की गंगा को प्रवाहित किया। उन्होंने इस निगुर्णी चदरिया को ओढ़ा है। उन्हें जो दृष्टि प्राप्त हुई है, उसमें अतीत और वर्तमान का वियोग नहीं है, योग है। उन्हें जो चेतना प्राप्त हुई, वह तन-मन के भेद से प्रतिबद्ध नहीं है, मुक्त है। उन्हें जो साधना मिली, वह सत्य की पूजा नहीं करती, शल्य-चिकित्सा करती है। सत्य की निरंकुश जिज्ञासा ही उनका जीवन-धर्म रहा है। वही उनका संतत्व रहा, वही उनकी साधना का अभिन्न अंग रहा। वे उसे चादर की भाँति ओढ़े हुए नहीं हैं बल्कि वह बीज की भाँति उनके अंतस्तल से अंकुरित होता रहा है। कबीर ने सगुण-साकार भक्ति पर जोर दिया है, जिसमें निर्गुण निहित है। हर जाति, वर्ग, क्षेत्र और सम्प्रदाय का सामान्य से सामान्य व्यक्ति हो या कोई विशिष्ट व्यक्ति हो -सभी में विशिष्ट गुण खोज लेने की दृष्टि कबीर में थी। गुणों के आधार से, विश्वास और प्रेम के आधार से व्यक्तियों में छिपे सद्गुणों को वे पुष्प में से मधु की भाँति उजागर करने में सक्षम थे। परस्पर एक-दूसरे के गुणों को देखते हुए, खोजते हुए उनको बढ़ाते चले जाना कबीर के विश्व मानव या वसुधैव कुटुम्बकम् के दर्शन का द्योतक है। उन्होंने मन, चेतना, दंड, भय, सुख और मुक्ति जैसे सूक्ष्म विषयों पर भी किसी गंभीर मनोवैज्ञानिक की तरह विचार किया था और व्यक्ति को अध्यात्म की एकाकी यात्रा का मार्ग सुझाया था। कबीर ने लोगों को एक नई राह दिखाई। घर-गृहस्थी में रहकर और गृहस्थ जीवन जीते हुए भी शील-सदाचार और पवित्रता का जीवन जिया जा सकता है तथा आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त किया जा सकता है। वे संसार से भागे नहीं, बल्कि संसार में रहकर सादगी को, संतता को साधा। इसीलिये कबीर एक सामान्य मनुष्य के लिये आशा का द्वार है।

संत कबीर का जन्म लहरतारा के पास जेठ पूर्णिमा को हुआ था। उनके पिता नीरू नाम के जुलाहे थे। 119 वर्ष की आयु में उन्होंने मगहर में अपना देह त्यागा। कुछ लोगों का कहना है कि वे जन्म से मुसलमान थे और युवा अवस्था में स्वामी रामानंद के प्रभाव से उन्होंने हिन्दू धर्म की विशेषताओं को स्वीकारा। कबीर ने हिन्दु, मुसलमान का भेद मिटाकर हिन्दू भक्तों तथा मुसलमान फकीरों के साथ सत्संग किया और दोनों की अच्छी बातों को आत्मसात किया। उनके जीवन में कुरान और वेद ऐसे एकाकार हो गये कि कोई भेदरेखा भी नहीं रही। कबीर पढ़े लिखे नहीं थे पर उनकी बोली बातों को उनके अनुयायियों ने लिपिबद्ध किया जो लगभग 80 ग्रंथों के रूप में उपलब्ध है। कबीर ने भाईचारे, प्रेम और सद्भावना का संदेश दिया है। उनके प्रेरक एवं जीवन निर्माणकारी उपदेश उनकी साखी, रमैनी, बीजक, बावन अक्षरी, उलट बासी में देखे जा सकते हैं। कबीर एक ऐसे संत हैं, जिनके लिये पंथ और ग्रंथ का भेद बाधक नहीं। वे दो संस्कृतियों के संगम हैं। उनका मार्ग सहजता है, यही कारण है कि उन्होंने सहज योग का मार्ग सुझाया। वे जाति-पांति के भेदभावों से मुक्त एक सच्चा इंसान, क्रांतिकारी संतपुरुष एवं अनूठे योगी थे। कबीर ने इन क्रांतिकारी शब्दों के जरिये पाखंडियों को किया था लहूलुहान-कबीर बानी अटपटी, सुनकर लागे आग। अज्ञानी जन जल मुए,ज्ञानी जाए जाग। कबीर की वाणी धधकती हुई आग के समान थी, जिस अग्नि में अज्ञानी और पाखंडियों का भस्म होना निश्चित है। संत सज्जन व्यक्तियों का जीवन सुसज्जित तथा उन्हें परम सत्य की प्राप्ति होना सुनिश्चित है। सत्य परम प्रकाश हमारे अंदर है जिसकी प्राप्ति संत कबीर जैसे महापुरुषों के ज्ञान से की जा सकती है।

महात्मा कबीर ने स्वयं को ही पग-पग पर परखा और निथारा। स्वयं को भक्त माना और उस परम ब्रह्म परमात्मा का दास कहा। वह अपने और परमात्मा के मिलन को ही सब कुछ मानते। शास्त्र और किताबें उनके लिये निरर्थक और पाखण्ड था, सुनी-सुनाई तथा लिखी-लिखाई बातों को मानना या उन पर अमल करना उनको गंवारा नहीं। इसीलिये उन्होंने जो कहा अपने अनुभव के आधार पर कहा, देखा और भोगा हुआ ही व्यक्त किया, यही कारण है कि उनके दोहे इंसान को जीवन की नई प्रेरणा देते थे। कबीर शब्दों का महासागर है, ज्ञान का सूरज हैं। उनके बारे में जितना भी कहो, थोड़ा है, उन पर लिखना या बोलना असंभव जैसा है। सच तो यह है कि बूंद-बूंद में सागर है और किरण-किरण में सूरज। उनके हर शब्द में गहराई है, सच का तेज और ताप है। संत शिरोमणि कबीर सर्वधर्म सद्भाव के प्रतीक थे, साम्प्रदायिक सद्भावना एवं सौहार्द को बल दिया। उनको हिन्दू और मुस्लिम दोनों ही संप्रदायों में बराबर का सम्मान प्राप्त था। दोनों संप्रदाय के लोग उनके अनुयायी थे। यही कारण था कि उनकी मृत्यु के बाद उनके शव को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। हिन्दू कहते थे कि उनका अंतिम संस्कार हिन्दू रीति से होना चाहिए और मुस्लिम कहते थे कि मुस्लिम रीति से। किंतु इसी छीना-झपटी में जब उनके शव पर से चादर हट गई, तब लोगों ने वहाँ फूलों का ढेर पड़ा देखा। यह कबीरजी की ओर से दिया गया बड़ा ही चमत्कारी और सशक्त संदेश था कि इंसान को फूलों की तरह होना चाहिए- सभी धर्मों के लिए एक जैसा भाव रखने वाले, सभी को स्वीकार्य।

तुलसी, एक बहुमूल्य औषधि

तुलसी एक अत्यंत गुणवान पौधा है। हिन्दू लोग तुलसी का पौधा लगाना शुभ मानते हैं। पुरानी कथाओं के अनुसर तुलसी का विवाह भगवान विष्णु जी से होता है।

जिस दिन यह होता है तो बारिश रुक जाती है और हिंदू परंपरा के अनुसर विवाह का समय शुरू हो जाता है। ऐसी मन्यता है कि तुलसी के पत्तों को भोजन में डालने से वह शुद्ध हो जाता है। तुलसी की माला भी बनती है तुलसी की टहनियों को सुखाकर, उसके छोटे-छोटे मनके बनाए जाते है। 108 मनकों की एक माला बनाई जाती है तुलसी की माला धारण करना शुभ माना जाता है। तुलसी औषधि के गुणों से भरपुर एक पौधा है। हमारे ऋषि मुनियों प्राप्त धार्मिक अवधारणा तथा वैज्ञानिक अवधारणा भी है। तुलसी की कई किस्में होती हैं, जैसे राम तुलसी, श्याम तुलसी, नींबू तुलसी, कपूरतुलसी तथा मीठी तुलसी। काली तुलसी को श्यामा तुलसी भी कहते हैं वहां औषधि गुणों से बहुत ही भरपूर है इसलिए इसे रानी का दरजा भी दिया गया है। काली या श्यामा तुलसी के पत्ते तथा शाखाएं बैंगनी रंग की होती हैं इसलिए इसका नाम काली तुलसी रखा गया है। : तुलसी का पंचांग भी प्रयोग किया जाता है उसमें तुलसी

के पत्ते, तुलसी के बीज, तुलसी के फूल, तुलसी की जड़ तथा तुलसी की तहनियों का इस्तमाल किया जाता है। पंचांग बनाने की विधि इस प्रकार होती है । 1 लीटर पानी में यह सारी चीजें 200 से 300 ग्राम हमने उबाली है जब तक पानी आधा रह जाए, बाद में उसे ठंडा करके छान कर हम इस पंचांग का इस्तमाल कर सकते हैं

पंचांग बनाने की विधि इस प्रकार होती है ।1 लीटर पानी में यह सारी चीजें 200 से 300 ग्राम हमने उबाली है जब तक पानी आधा रह जाए, बाद में उसे ठंडा करके छान कर हम इस पंचांग का इस्तमाल कर सकते हैं पंचांग के काफी सारे फायदे होते हैं, जैसे हमारी सर्दी और जुकम से रक्षा करता है। यह हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। काली तुलसी सांस के रोग जैसे अस्थमा और ब्रोंकाइटिस में लाभकारी है। यह पेट की बीमारियों में भी लाभकारी है । काली तुलसी के पत्तों में फैब नाइट्स यूजेनॉल और कपूर जैसे तत्व पाए जाते हैं जो कि एंटी इंफ्लेमेटरी तथा एंटीमैटर एंटी माइक्रोबियल की तरह उपयोग किए जाते हैं। तुलसी का दूसरा प्रकार राम तुलसी है। घरेलु तुलसी को राम तुलसी भी कहते हैं, यह हर घर में पाई जाती है, घरेलु तुलसी बहुत उपयोगी होती है, यह किटनाशक होती है। इसकी चाय पीने से तनाव से मुक्ति मिलती है। यह इन्फेक्शन और जख्म के उपचार में भी काम करती हैं। यह हमारी पाचण शक्ति को मजबूत करती है व हमारे शरीर को टॉक्सिव मुक्त कर वजन भी घटाने में साहायक होती है। यह शरीर के मेटाबॉलिक रेट को बढ़ती है। जिन लोगों को गुर्दे में पथरी के कारण दर्द होता है, उन लोगों की पीढ़ा कम करने में सहायक होती है। यह हमारे केश व त्वचा के लिए भी बहुत लाभकारी होती है। इसके के पत्तों का लेप लगने से घाव जल्दी भर जातें हैं। इसमें में पाए जाने वाले एंटी-ऑक्सिडेंट्स के कारण हमारी त्वचा जवान लगती है। इसमें पाए जाने वाले विटामिन तथा मिनेरल के कारण हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रबल होती है। इसके के बीज ज्वर का क्षमन करने में लाभदायक होते हैं। यह हमारे दाँतों मे कीड़ा लगने से बचाती है इसमें पाए जाने वाले विटामिन तथा मिनेरल के कारण हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रबल होती है। इसके के बीज ज्वर का क्षमन करने में लाभदायक होते हैं। यह हमारे दाँतों मे कीड़ा लगने से बचाती है। तीसरे प्रकार की तुलसी कपूर तुलसी है। इसके पत्तों का काडा बना कर पीने से बुखार, खाँसी- जूखाम वाइरल इनफेक्शन कम करने के लिए लाभदायक होती है। यह तुलसी कीट निवारक भी होती है। इसके पत्तों का प्रयोग हेयर लोशन बनाने में किया जाता है। इसके पत्तों का सेवन करने से यह व्यक्ति को तनाम मुक्त कर सकता है। नींबू तुलसी भी तुलसी का एक प्रकार है। इसके पत्तों से बनी चाए पीने से हमारा शरीर डीटॉक्सिफाए होता है व त्वच्चा साफ हो जाती है। यह भी हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ती है। स्टीविया या मीठी तुलसी मधुमय के रोगियों के लिए अत्याधिक लाभदायक है तथा वजन कम करने में भी सहायक होती है। तुलखी अपने चमत्कारी व दिव्य औषधि गुणों के कारण यह आयुर्वेद की बूटियों के सागर में रत्न के समान है।

म्यूनिख विश्व कप के पहले दिन युवा निशानेबाजों पर रहेंगी निगाहें, महिला एयर राइफल व पुरुष एयर पिस्टल स्पर्धा के होंगे फाइनल

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय शूटिंग खेल महासंघ (आईएसएसएफ) के इस सीजन के तीसरे विश्व कप राइफल/पिस्टल चरण की शुरुआत मंगलवार, 10 जून को म्यूनिख के प्रतिष्ठित ओलंपिक शूटिंग रेंज में होगी। पहले दिन महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल और पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं के फाइनल्स आयोजित किए जाएंगे, जिनमें भारत के कई युवा निशानेबाज़ अपने पहले विश्व कप की चुनौती में उतरेंगे। भारत की ओर से महिला एयर राइफल में राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू पहली बार विश्व कप स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगी। उनके साथ आर्या बोरसे, जिन्होंने सीजन के पहले दो विश्व कप चरणों में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो मिश्रित टीम रजत पदक जीते हैं, इस स्पर्धा में उतरेंगी। अनुभवी एलावेनेल वलारिवन सीनियर नेतृत्व की भूमिका में रहेंगी। पुरुष एयर पिस्टल में आदित्य मलरा और निशांत रावत पहली बार इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर उतरेंगे। साथ ही वरुण तोमर, जो चार बार के विश्व कप पदक विजेता हैं, अनुभव के साथ युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। राष्ट्रीय राइफल कोच दीपाली देशपांडे ने कहा, म्यूनिख की रेंज भारतीय निशानेबाजों के लिए जानी-पहचानी है। प्रशिक्षण के दौरान सभी निशानेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है और वे पूरी तरह तैयार हैं। वहीं, पिस्टल कोच समरेश जंग ने कहा, ÷खिलाड़ी फिट और मानसिक रूप से तैयार हैं। प्रतिस्पर्धा कठिन है लेकिन यदि हम अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करें तो निश्चित रूप से पदक की दौड़ में रहेंगे।

दस वर्षीय अतीका मीर ने रचा इतिहास, रोटैक्स यूरो ट्रॉफी में शीर्ष 10 में स्थान बनाने वाली पहली भारतीय

त्रिनेक (चेक गणराज्य)। भारत की 10 वर्षीय रेसिंग प्रतिभा अतीका मीर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। उन्होंने प्रतिष्ठित रोटैक्स यूरो ट्रॉफी के दूसरे चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए नौवें स्थान पर समाप्ति की और इस प्रतियोगिता के शीर्ष 10 में स्थान बनाने वाली पहली भारतीय बन गईं। स्टील रिंग सर्किट पर आयोजित इस प्रतियोगिता में अक्सेल जीपी टीम का प्रतिनिधित्व कर रहीं अतीका ने प्रारंभिक समय निर्धारण (क्वालिफाइंग) में अपने समूह में सातवां स्थान हासिल किया। हालांकि, बाद की तीन हीट दौरों में उन्हें दो बम्पर दंड मिले, फिर भी उन्होंने दसवें स्थान पर रहते हुए आगे का चरण पार किया। रविवार को पूर्व-फाइनल के दौरान बारिश होने लगी, और इस मार्ग पर गीली सतह में बिना किसी पूर्व अनुभव के, अतीका ने अपनी असाधारण प्राकृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया और विश्व के श्रेष्ठ चालकों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा करते हुए अंतिम चरण के लिए स्थान सुरक्षित किया। अंतिम दौड़ और भी कठिन परिस्थितियों में हुई। अतीका ने दसवें स्थान से आरंभ किया, लेकिन शुरुआत में चार स्थान पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए नौवें स्थान पर समाप्त किया। अतीका न केवल भारत की ओर से, बल्कि एशिया की ओर से भी सबसे आगे रहने वाली चालक रहीं।

बीसीसीआई ने घोषित किया घरेलू सीजन और साउथ अफ्रीका-ए सीरीज का संशोधित कार्यक्रम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2025 के अंतरराष्ट्रीय घरेलू सीजन और साउथ अफ्रीका ए टीम के भारत दौरे के लिए संशोधित कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। टीम इंडिया (सीनियर पुरुष) इस दौरान वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट, वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट सीरीज 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगी। इस सीरीज का दूसरा टेस्ट, जो पहले कोलकाता में होना था, अब दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 14 नवंबर से शुरू होगा, जिसे दिल्ली से बदलकर अब कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शिफ्ट कर दिया गया है। महिला क्रिकेट टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली आईडीएफसी फर्स्ट बैंक वनडे सीरीज के वेन्यू भी बदले गए हैं। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में आउटफील्ड और पिचों के मरम्मत कार्य के चलते यह बदलाव किया गया है। अब सीरीज के पहले दो वनडे मैच न्यू चंडीगढ़ के नए पीसीए स्टेडियम में होंगे, जबकि तीसरा और अंतिम मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा।

ओलंपिक विजेता मैरी टकर ने कहा- एथलीट्स को तराशने का सुनहरा मौका है शूटिंग लीग ऑफ इंडिया

नई दिल्ली। शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) की पहली आधिकारिक घोषणा ने जहां देश में खेल प्रेमियों के बीच उत्साह पैदा किया है, वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट भी इस नए प्रारूप को लेकर काफी उत्साहित हैं। टोक्यो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट और अमेरिका की स्टार शूटर मैरी टकर ने इस लीग में हिस्सा लेने की अपनी उत्सुकता जाहिर की है। 23 वर्षीय टकर एनसीएए के तहत यूनिवर्सिटी ऑफ कंटकी और वेस्ट वर्जीनिया यूनिवर्सिटी की ओर से खेल चुकी हैं। वह जर्मनी की बुंदेसलीगा में साल्टेंडॉर्फ क्लब का हिस्सा रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें टीम फॉर्मेट में खेलने का अनुभव है और यही चीज उन्हें एसएलआई की ओर आकर्षित कर रही है। मैरी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं लीग्स को लेकर हमेशा उत्साहित रहती हूं। एनसीएए और बुंदेसलीगा में खेलने का अनुभव मुझे टीम भावना की अहमियत सिखा चुका है।

निकोलस पूरन ने सिर्फ 29 की उम्र में लिया अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

एजेंसी

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज निकोलस पूरन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। पूरन के अचानक लिए गए इस फैसले ने उनके फैंस को हैरान कर दिया है। आईसीसी ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की है। कुछ दिनों पहले ही साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने की घोषणा की थी, जिसके बाद एक और मशहूर विकेटकीपर-बल्लेबाज का संन्यास क्रिकेट प्रेमियों को चौंका गया। 29 वर्षीय निकोलस पूरन ने संन्यास का ऐलान करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, ÷मैंने काफी सोचने और विचार-विमर्श करने के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया है। यह खेल जिससे हम प्यार करते हैं, उसने बहुत कुछ दिया है और देता रहेगा। मैरून जर्सी पहनना, एंथम के लिए खड़े होना,

और हर बार मैदान पर उतरते समय अपना सब कुछ देना... इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है कि इसका मेरे लिए क्या मतलब है। टीम का कप्तान होना एक ऐसा सौभाग्य है, जिसे मैं हमेशा अपने दिल के करीब रखूंगा। उन्होंने आगे लिखा, फैंस के लिए- आपके अटूट प्यार के लिए धन्यवाद। आपने मुश्किल पलों में मुझे संभाला और बेहतरीन जुनून के साथ अच्छे पलों का जश्न मनाया। अपने परिवार, दोस्तों और टीम के साथियों के लिए मैं कहना चाहूंगा कि मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद। आपके विश्वास और समर्थन ने मुझे इन सब के जरिए आगे बढ़ाया। निकोलस पूरन ने 2014 के अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व किया था, जिसके दो साल बाद उन्हें टी20आई फॉर्मेट में सीनियर टीम की ओर से इंटरनेशनल डेब्यू करने का मौका मिला। इसके बाद 2018 में पूरन ने वनडे फॉर्मेट में डेब्यू किया। शानदार प्रदर्शन को देखते हुए बाएं हाथ के इस खिलाड़ी को विश्व कप 2019 के लिए टीम में मौका मिला। साल 2021 में पूरन पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के लिए कैरेबियन टीम के उप-कप्तान बने और साल 2022 में दोनों व्हाइट बॉल फॉर्मेट में कप्तानी की बागडोर संभाली। निकोलस पूरन ने वेस्टइंडीज के लिए सिर्फ व्हाइट बॉल क्रिकेट ही खेला। उन्होंने 61 वनडे मुकाबलों में पूरन के नाम 39.66 की औसत के साथ 1983 रन हैं। इस दौरान पूरन ने तीन शतक और 11 अर्धशतक जड़े हैं। 106 टी20आई मुकाबलों में इस खिलाड़ी ने 13 अर्धशतक की मदद से 2275 रन बनाए। इस फॉर्मेट में उनका औसत 26.14 रहा।

पैरा केनो एशियाई चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे भिंड के खिलाड़ी

एजेंसी

भिण्ड। रियांग पटाया थाईलैंड में आगामी 12 जून से 16 जून तक होने वाली पैरा केनो एशियाई चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों में चार एथलीट भिंड जिले से भी होंगे। यह बात भिंड किशोरी बोट क्लब संरक्षक और मध्य प्रदेश कयाकिंग कैनोइंग उपाध्यक्ष राधे गोपाल यादव ने बताई। उन्होंने बताया व्हीएल-1 में पूजा ओझा, व्हीएल-3 में अनुराधा श्रीवास व्हीएल-2 राजवीर सिंह और व्हीएल-3 में राधेश्याम यादव गौरी सरोवर स्थित भिंड किशोरी बोट क्लब से निकलकर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भिंड का नाम रोशन कर रहे हैं। राष्ट्रीय टीम के चीफ कोच मयंक ठाकुर, और अनिल राठी ने इन खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रशिक्षण कैंप के माध्यम से अभ्यास से और निखारा है। जिसकी वजह से पूरी संभावना है कि यह अपना प्रदर्शन पिछले प्रदर्शन से बेहतर करके पूरे भारत को मेडल दिलाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रत्येक खिलाड़ी 2 इवेंट में भाग लेगा जो 200 मीटर और 500 मी की स्प्रिधाए होगी। भारत से भारतीय टीम थाईलैंड के लिए निकल गई है जिसमें 22 खिलाड़ी और आठ सपोर्टिंग स्टाफ उनके साथ गया है। एशियाई चैंपियनशिप में भागीदारी के लिए चारों खिलाड़ियों को भिंड कयाकिंग कैनोइंग एसोशिएसन के पदाधिकारी राधे गोपाल यादव ,कुलदीप कुशवाह, डॉक्टर योगेंद्र यादव ,राहुल मिश्रा, गगन शर्मा ,राहुल यादव भूरे , पैरा एशियन गेम्स मेडलिस्ट गजेंद्र कुशवाह ,विजय यादव और निश्छल यादव ने बधाई दी है।

मैनचेस्टर सिटी ने वुल्व्स से डिफेंडर रयान एइत-नूरी को किया साइन

एजेंसी

लंदन। मैनचेस्टर सिटी ने अल्जीरियाई लेफ्ट-बैक रयान एइत-नूरी को वुल्वरहैम्प्टन वांडरर्स से साइन कर लिया है। एइत-नूरी ने मेडिकल परीक्षण पास करने के बाद क्लब के साथ पांच साल का करार किया है। यह डील 3.1 करोड़ पाउंड (लगभग 42 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में पूरी हुई है। मैनचेस्टर सिटी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, क्लब को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि वुल्वरहैम्प्टन वांडरर्स से रयान एइत-नूरी को साइन कर लिया गया है। 24 वर्षीय लेफ्ट-बैक ने एतिहाद स्टेडियम में 2030 की गर्मियों तक के लिए पांच साल का अनुबंध किया है। एइत-नूरी ने अपने बयान में कहा, यह एक आसान फैसला था। शुरुआत से ही मेरी और मेरे परिवार की पसंद मैनचेस्टर सिटी थी। मुझे इस टीम का खेलने का तरीका बहुत पसंद है। यहां आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है - यह मेरे लिए एक बड़ा सम्मान है। उन्होंने आगे कहा, हम जानते हैं कि यह टीम बीते कुछ वर्षों से दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम रही है। खिलाड़ी शानदार हैं और कोच पेप गार्डियोला भी अद्भुत हैं - उनके साथ ट्रेनिंग करना

मेरे लिए सौभाग्य की बात होगी। मैं यहां सीखने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने आया हूं। गौरतलब है कि पिछले सीजन में मैनचेस्टर सिटी के पास कोई विशेषज्ञ लेफ्ट-बैक नहीं था, ऐसे में एइत-नूरी टीम को संतुलन देने का काम करेंगे। वह इस गर्मियों में क्लब के पहले साइनिंग हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एइत-नूरी का करार समय पर पूरा हो गया है और वह 18 जून को फिलाडेल्फिया में मोरक्कन क्लब वायदाद एसी के खिलाफ होने वाले फीफा क्लब विश्व कप मुकाबले में भाग ले सकेंगे।

धोनी, हेडन, टेलर और मीर आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज़ मैथ्यू हेडन, इंग्लैंड की स्टार विकेटकीपर सारा टेलर और पाकिस्तान की दिग्गज ऑलराउंडर सना मीर सहित सात दिग्गज क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। इनके अलावा दक्षिण अफ्रीका के हाशिम अमला और ग्रीम स्मिथ तथा न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी को भी इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है। खास बात यह रही कि सना मीर इस सम्मान को पाने वाली पाकिस्तान की पहली महिला क्रिकेटर बनी हैं।

सना मीरः पाकिस्तान महिला क्रिकेट की मिसाल

सना मीर ने 2005 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था और 120 वनडे तथा 106 टी20 मैचों में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 72 वनडे और 65 टी20 में टीम की कप्तानी की। एशियन गेम्स 2010 और 2014 में पाकिस्तान को दो स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। मीर ने 151 वनडे विकेट लिए और 2018 में आईसीसी की वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान भी हासिल किया था। सम्मान प्राप्त करने के बाद मीर ने भावुक होकर कहा, एक छोटे से सपने से शुरू होकर यहां तक पहुंचना किसी चमत्कार से कम नहीं है। यह सम्मान मेरे लिए अविश्वसनीय है और मैं खेल को आगे भी अपना योगदान देती रहूंगी।

महेंद्र सिंह धोनीः एक युग का नेतृत्व

धोनी ने 2007 में भारत को पहला टी20 विश्व कप जिताया और फिर 2011 में वनडे विश्व कप में विजयी छक्का लगाकर भारत को घरेलू सरजमीं पर पहली बार चैंपियन बनाया। 2013 में उनकी कप्तानी में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती, और वह तीनों आईसीसी श्वेत-बॉल ट्रॉफी जीतने वाले इकलौते कप्तान बने। 350 वनडे में उन्होंने 10,000 से अधिक रन बनाए और 50 से ऊपर की औसत से अपने करियर का समापन किया। धोनी ने कहा, आईसीसी हॉल ऑफ फेम में नाम जुड़ना मेरे करियर का एक अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण है। यह सम्मान मैं हमेशा संजोकर रखूंगा।

मैथ्यू हेडनःआक्रामकता का प्रतीक

ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज हेडन 2003 और 2007 की विश्व विजेता टीमों का हिस्सा रहे। उन्होंने 2007 विश्व कप में तीन शतक लगाए और टेस्ट क्रिकेट में 30 शतक के साथ 50 से अधिक की औसत से रिटायर हुए।

हाशिम अमला और ग्रीम स्मिथः दक्षिण अफ्रीका की शान

अमला दक्षिण अफ्रीका के पहले बल्लेबाज़ थे जिन्होंने टेस्ट में तिहरा शतक जड़ा (311* बनाम इंग्लैंड, 2012)। उन्होंने सभी प्रारूपों में मिलाकर 55 से अधिक शतक बनाए।

विश्व रैपिड और ब्लिट्ज़ टीम चैम्पियनशिप में वापसी करेंगे विश्वनाथन आनंद

एजेंसी

लंदन। पांच बार के विश्व शतरंज चैम्पियन विश्वनाथन आनंद एक बार फिर एक्शन में नजर आएंगे। वे विश्व रैपिड और ब्लिट्ज टीम चैम्पियनशिप में 'फ्रीडम' टीम का हिस्सा होंगे, जिसका नेतृत्व खुद फिडे के सीईओ एमिल सुटोव्सकी कर रहे हैं। आनंद अपनी टीम में अकेले भारतीय खिलाड़ी हैं। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में सबसे बड़ी दावेदार मानी जा रही ब्लैक चेस टीम की कमान रूस के इयान नेपोम्नियाची के हाथों में होगी। यह टूर्नामेंट इस बार नॉर्वे के विश्व नंबर एक मैग्नस कार्लसन की अनुपस्थिति में हो रहा है, जिन्होंने फिडे के इस आयोजन में भाग लेने से इनकार कर दिया है। भारत की ओर से WR चेस टीम में अर्जुन एरिगैसी टॉप बोर्ड पर खेलते नजर आएंगे, जिनका साथ देंगे पी. हरिकृष्णा दूसरे बोर्ड पर।

विश्व जूनियर चैम्पियन वी. प्रणव की उपस्थिति टीम को और मजबूती देती है। उनके साथ ल्यूक लियोन मेंडोंसा भी टीम में हैं, जिन्हें डी. गुकेश, अर्जुन, आर. प्रज्ञानानंद और अरविंद चितांबरम की चौकड़ी के बाद भारत का अगला बड़ा सितारा माना जा रहा है।

वहीं, भारत के युवा ग्रैंडमास्टर निहाल सरीन इस बार 'एशडॉड एलीट चेस क्लब' की ओर से खेलेंगे, जो इस प्रतियोगिता में पांचवीं वरीयता प्राप्त टीम है। निहाल और आनंद अपने-अपने बोर्ड पर टॉप सीड के रूप में खेलेंगे। हालांकि टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन और डी. गुकेश जैसे दिग्गजों की अनुपस्थिति खलेगी, लेकिन इसके बावजूद प्रतिस्पर्धा जबरदस्त रहने की उम्मीद है। ब्लैक चेस टीम खिताब की प्रबल दावेदार है, जिसमें नेपोम्नियाची के अलावा अलीरेजा फिरौजा, मैक्सीम वाशिए-लाग्रेव, हिकारू नाकामुरा, अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक और वेस्ली सो जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। इस प्रतियोगिता में हर राउंड में एक महिला खिलाड़ी और एक ऐसा खिलाड़ी शामिल होना जरूरी है जिसकी रेटिंग 2200 से कम हो। इस अनोखे नियम के चलते यह टूर्नामेंट अन्य टीम इवेंट्स से कहीं अधिक रोचक बन जाता है।

विजेता टीम को 1,10,000 अमेरिकी डॉलर और उपविजेता को 75,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि प्रदान की जाएगी। भारतीय टीम की उम्मीदें काफी हद तक अर्जुन एरिगैसी के प्रदर्शन पर टिकी होंगी। अब देखना यह होगा कि क्या भारतीय खिलाड़ी टीम को खिताब के करीब पहुंचा पाते हैं या नहीं।

ताइवान एथलेटिक्स ओपन में भारत का स्वर्णिम प्रदर्शन, बरेका के रोहित यादव ने भाला फेंक में रचा इतिहास

एजेंसी

वाराणसी। ताइपेई (ताइवान) में आयोजित ताइवान एथलेटिक्स ओपन 2025 के अंतिम दिन बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका)में कार्यरत रोहित यादव ने भाला फेंक में स्वर्णिम प्रदर्शन किया। रोहित यादव ने पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता में 74.42 मीटर की दूरी तय कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इस उपलब्धि पर बरेका में हर्ष का माहौल है। बरेका महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर सह बरेका खेलकूद संघ के अध्यक्ष एस.के. श्रीवास्तव, मुख्य यांत्रिक इंजीनियर उत्पादन एवं विपणन सह महासचिव सुनील कुमार,उप महाप्रबंधक अनुज कटियार,वरिष्ठ खेल अधिकारी बहादुर प्रसाद एवं जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार सहित प्रशिक्षकों खिलाड़ियों एवं रेल परिवार ने रोहित यादव को जीत पर बधाई दी। इस दौरान बरेका महाप्रबंधक ने कहा कि रोहित यादव ने अपने कठिन परिश्रम और लगन से यह सिद्ध कर दिया है, कि बरेका केवल रेल इंजनों के उत्पादन में ही नहीं, बल्कि खेल प्रतिभा के निर्माण में भी अग्रणी है। रोहित की यह जीत 'मेक इन इंडिया' के साथ-साथ 'चैम्पियन्स फ्रॉम इंडिया' की अवधारणा को भी साकार करती है। बताते चले रोहित यादव, जो वर्तमान में बनारस रेल इंजन कारखाना में विद्युत विभाग में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं, ने यह अद्भुत प्रदर्शन करके न केवल भारत का तिरंगा गर्व से लहराया।

भारत ए बनाम इंग्लैंड लायंस- कोटियन-कंबोज की शानदार साझेदारी, दूसरा अनौपचारिक टेस्ट ड्रॉ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ए ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरा अनौपचारिक टेस्ट सकारात्मक अंदाज में समाप्त किया। मुकाबला ड्रॉ रहा, लेकिन अंतिम दिन भारत की बल्लेबाजी और गेंदबाजी ने दर्शकों को खासा प्रभावित किया। अंतिम दिन भारत ए ने सिर्फ तीन विकेट खोकर 254 रन बनाए और कुल स्कोर 417/7 तक पहुँचते ही पारी घोषित कर दी।मैच का सबसे बड़ा आकर्षण रहा तनीष कोटियन (नाबाद 90) और अंशुल कंबोज (नाबाद 51) के बीच आठवें विकेट के लिए हुई 149 रनों की बेमिसाल साझेदारी। इस जोड़ी ने इंग्लैंड लायंस के गेंदबाजों को पूरी तरह थका दिया और भारत की पकड़ को मजबूत किया।दिन की शुरुआत नितीश रेड्डी और ध्रुव जुरेल ने की। शुरुआती परेशानियों के बावजूद जुरेल ने दो चौके लगाकर लय हासिल की,

लेकिन वे 28 रन बनाकर एडी जैक की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद शार्दुल ठाकुर और नितीश रेड्डी ने आक्रामक रुख अपनाया। ठाकुर ने फारहान अहमद की गेंदों पर लगातार दो छक्के लगाए, वहीं नितीश ने 42 रन बनाए। दोनों बल्लेबाज लंच से पहले जॉर्ज हिल का शिकार बने। लंच के बाद कोटियन और कंबोज ने मोर्चा संभाला। कोटियन ने फारहान को छक्का लगाकर खाता खोला और उसके बाद दोनों बल्लेबाजों ने लगातार चौके-छक्कों की बारिश की। कोटियन ने सिर्फ 60 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, वहीं कंबोज ने भी चाय से पहले छक्का लगाकर अपना पचासा पूरा किया। इसके बाद भारत ने पारी 417/7 पर घोषित कर दी। चाय के बाद के एक घंटे के खेल में 11 ओवर डाले गए जिसमें भारत ए के गेंदबाजों ने इंग्लैंड लायंस को दबाव में ला दिया। तुषार देशपांडे ने टॉम हेंस को नितीश रेड्डी के हाथों कैच कराया। इसके बाद अंशुल कंबोज ने एक ही ओवर में एमिलियो गे और जॉर्डन कॉक्स को आउट कर विपक्षी टीम को हिला दिया। इंग्लैंड लायंस ने तीन विकेट पर 32 रन बनाए थे जब मैच समाप्त घोषित किया गया।

संक्षिप्त स्कोरः भारत एः 348 और 417/7 घोषित (तनीष कोटियन 90*, अभिमन्यु ईश्वरन 80, केएल राहुल 51; जॉर्ज हिल 3/64)

इंग्लैंड लायंसः 327 और 32/3 (बेन मैककिनी 16*, अंशुल कंबोज 2/6, तुषार देशपांडे 1/13)

रोनाल्डो ने भविष्य को लेकर अटकलों पर लगाया विराम, अल-नास्र के साथ जुड़े रहेंगे

नई दिल्ली। सऊदी प्रो लीग क्लब अल-नास्र के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुष्टि कर दी है कि वे अगला सीजन भी इसी क्लब के साथ खेलेंगे। इस घोषणा के साथ ही उनके भविष्य को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर विराम लग गया है। 40 वर्षीय रोनाल्डो ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में अपना तीसरा खिताब हासिल किया, जब पुर्तगाल ने स्पेन को हराकर यूईएफए नेशंस लीग का खिताब जीता। रोनाल्डो ने फाइनल मुकाबले के दूसरे हाफ में अपना 138वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया, जिससे मुकाबला 2-2 की बराबरी पर पहुंचा और फिर पुर्तगाल ने पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल की। हालांकि, रोनाल्डो शूटआउट के समय मैदान पर नहीं थे, लेकिन उन्होंने बेंच से अपनी टीम की जीत का जश्न देखा और भावुक हो गए। जीत के बाद रोनाल्डो ने सोमवार (भारतीय समयानुसार) को कहा, मेरा भविष्य कुछ खास नहीं बदलने वाला।

भारत में डिसएबिलिटी क्रिकेट को बढ़ाने के लिए जय शाह को धन्यवाद : डीसीसीआई सचिव रविकांत

एजेंसी

जयपुर(राजस्थान)। भारत में विकलांग क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष और बीसीसीआई सचिव जय शाह के समर्थन, प्रतिबद्धता के साथ आधिकारिक जर्सी और अन्य सहयोग के लिए डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) के महासचिव रविकांत चौहान ने धन्यवाद किया है।इस वक्त भारतीय पुरुष मिक्स्ड डिसएबिलिटी क्रिकेट टीम 21 जून से इंग्लैंड में शुरू हो रही आगामी सात मैचों की टी20आई सीरीज के लिए जयपुर में अभ्यास कर रही है।

रविकांत चौहान ने कहा, भारत में डिसएबिलिटी क्रिकेट पिछले 40 वर्षों से खेला जा रहा है, लेकिन आज से पहले किसी तरह का कोई समर्थन नहीं मिलता था, लेकिन जैसे ही जय शाह बीसीसीआई के सचिव बने, उन्होंने हमारी मेहनत को देखा और हमारी बात सुनी। आज भारतीय टीम लॉर्ड्स में खेलने के लिए तैयार है और इसका पूरा श्रेय जय शाह जी को जाता है। उन्होंने आगे कहा कि, अब बीसीसीआई हमारी सभी आवश्यकताओं का ध्यान रख रही है, जिसके सहयोग से भारत इंग्लैंड के खिलाफ मिक्स्ड डिसएबिलिटी क्रिकेट सीरीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। बीसीसीआई ने टीम की तैयारी के लिए कुकाबुरा गेंदें भी उपलब्ध कराई हैं और हमें उम्मीद है कि भविष्य में आईसीसी भी हमें समर्थन प्रदान करेगा। भारतीय टीम के कप्तान रविंद्र गोपीनाथ शांते ने कहा, भारतीय जर्सी पहनकर लॉर्ड्स जैसे ऐतिहासिक मैदान पर खेलना किसी सपने के पूरा होने जैसा है। यह क्षण बीसीसीआई सचिव जय शाह सर के समर्थन की वजह से ही आया है। हम इसका पूरा उपयोग करेंगे और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए देश को गौरवान्वित करने की पुरजोर कोशिश करेंगे। उपकप्तान वीरेंद्र सिंह ने कहा, ÷डीसीसीआई की मेहनत और बीसीसीआई के समर्थन से हमें एक नई पहचान मिली है। हम अब खुद को मूल्यवान महसूस कर रहे हैं, और विश्व मंच पर खुद को साबित करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। फिलहाल मुख्य कोच रोहित झालानी के नेतृत्व में टीम जयपुर के जयपुरिया क्रिकेट अकादमी में चल रहे ट्रेनिंग कैंप में नेट्स में खूब पसीना बहाने के साथ ही सीरीज जीतने की रणनीति बनाने में लगी हुई है। प्रशिक्षण के बारे में मुख्य कोच रोहित झालानी ने कहा, यह प्रशिक्षण शिविर हमारी तैयारी के लिए बेहद अहम है। खिलाड़ी पूरी तरह से समर्पित हैं और इंग्लैंड के खिलाफ भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं।

एफआईएच प्रो लीगः रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड ने भारत को 3-2 से हराया

एजेंसी

एमस्टलवीन (नीदरलैंड्स)। वाघनेर हॉकी स्टेडियम में खेले गए एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 के एक रोमांचक मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को मेजबान नीदरलैंड्स के हाथों 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर से अभिषेक (20%) और जुगराज सिंह (54%) ने गोल किए, जबकि नीदरलैंड्स के लिए थाइस वान डैम (24%), टजेप होडेमेकर (33फीसदी) और जिप जैनसेन (57फीसदी) ने स्कोर किया।

भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में तेज और नियंत्रित खेल दिखाया। फारवर्ड अभिषेक ने छठे मिनट में गोल का शानदार प्रयास किया, लेकिन गेंद गोल के पास से निकल गई। भारत ने पोजेशन पर पकड़ बनाए रखी और नीदरलैंड्स को लगातार चुनौती दी, लेकिन पहला क्वार्टर बिना गोल के समाप्त हुआ।दूसरे क्वार्टर में भारत ने लय बरकरार रखी और 20वें मिनट में अभिषेक ने शिलानंद लाकड़ा के पास पर शानदार फिनिश कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह उनके करियर का 100वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था, जिसे उन्होंने यादगार बना दिया। लेकिन चार मिनट बाद ही

थियरी ब्रिंकमैन के असिस्ट पर थाइस वान डैम ने बराबरी का गोल कर दिया। हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 रहा। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में नीदरलैंड्स ने आक्रामक रवैया अपनाया। 33वें मिनट में फ्लोरिस वॉर्टलबोयर के तेज क्रॉस पर टजेप होडेमेकर ने गोल कर नीदरलैंड्स को 2-1 की बढ़त दिलाई। भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन उन्हें गोल में नहीं बदला जा सका।

चौथे क्वार्टर में भारत ने बराबरी के लिए दबाव बढ़ाया। 54वें मिनट में चौथे पेनल्टी कॉर्नर पर जुगराज सिंह ने दमदार ड्रैग फ्लिक से गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। इसके कुछ ही देर बाद ललित उपाध्याय को बढ़त दिलाने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन डच गोलकीपर मौरिट्स विसर ने शानदार बचाव किया। फिर 57वें मिनट में नीदरलैंड्स को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे जिप जैनसेन ने गोल में तब्दील कर स्कोर 3-2 कर दिया। भारत ने आखिरी क्षणों तक जोर लगाया, लेकिन डच रक्षा पंक्ति ने उन्हें गोल से वंचित रखा। भारतीय टीम अब तक 10 मैचों में 15 अंकों के साथ अंकतालिका में चौथे स्थान पर है। टीम 11 जून को अर्जेंटीना के खिलाफ अगला मैच खेलेगी।

श्रीलंका के पूर्व राज्यमंत्री दुनेश गंकंडा की उद्यमी पत्नी कुशनी नानायक्कारा गिरफ्तार

कोलंबो। कोलंबो केंद्रीय अपराध जांच प्रभाग ने पूर्व राज्यमंत्री दुनेश गंकंडा की पत्नी कुशनी नानायक्कारा को 700 मिलियन रुपये से अधिक के आयकर चोरी के पुराने मामले में गिरफ्तार किया गया है। सीलोन टुडे अखबार की खबर के अनुसार कोलंबो मजिस्ट्रेट कोर्ट नंबर 9 में दायर केस (नंबर 495/08/20) में कहा गया है कि ग्रीन लंका ट्रैवल्स, ग्रीन सीड लंका और ग्रीन श्रीलंका शिपिंग की निदेशक और व्यवसायी नानायाकारा ने अंतर्देशीय राजस्व विभाग की चेतावनी के बावजूद कई वर्षों तक आयकर का भुगतान नहीं किया। कोलंबो केंद्रीय अपराध जांच प्रभाग के एक प्रमुख अधिकारी के अनुसार उन्हें कई बार नोटिस भेजे गए। इनकी अनदेखी करने पर तीन बार कोर्ट ने समन भेजा। उन्होंने समन को भी नजरअंदाज किया। इसके बाद अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इस अवधि में नानायाकारा ने कम से कम चार बार विदेश यात्रा की।गिरफ्तारी में देरी होने पर मजिस्ट्रेट ने कार्यवाहक आईजीपी प्रियंता वीरसूर्या को तलब कर सवाल-जवाब किए। इसके बाद वीरसूर्या को तत्काल गिरफ्तारी का आदेश जारी किया। एसएसपी शनि अबेसेकरा के नेतृत्व में विशेष अभियान के तहत पूर्व राज्यमंत्री की पत्नी को नाराहेनपीटा में एक आवास से पकड़ा गया। उसने पिछले दरवाजे से भागने की भी कोशिश की। मगर परिसर को अधिकारियों ने पहले से ही घेर रखा था।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में बेल्जियम ने भारत का किया समर्थन, एस जयशंकर ने किया स्वागत

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद से निपटने में बेल्जियम के समर्थन और एकजुटता का स्वागत किया है। बेल्जियम के उप प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री मैक्सिम प्रीवोट के साथ द्विपक्षीय बातचीत के दौरान जयशंकर ने भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) साझेदारी में तेज गति पर जोर दिया और स्वच्छ ऊर्जा, गतिशीलता और फार्मास्यूटिकल्स के क्षेत्र में सहयोग की संभावना का उल्लेख किया। यूरोप के देशों के सप्ताह भर के दौरे पर गए विदेश मंत्री बेल्जियम पहुंचे। प्रीवोट के साथ उनकी बातचीत मुख्य रूप से द्विपक्षीय सहयोग को गहरना करने और आतंकवाद से निपटने पर केंद्रित रही। दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। बैठक के बाद जयशंकर ने सोशल मीडिया पर पीवोट के साथ विभिन्न मुद्दों पर हुई बातचीत का ब्योरा साझा किया। इससे पहले, विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और बेल्जियम के बीच मधुर एवं मैत्रीपूर्ण संबंध होने के साथ-साथ बहुत मजबूत आर्थिक साझेदारी भी है।

छह लोगों के साथ अमेरिकी विमान प्रशांत महासागर में दुर्घटनाग्रस्त; सैन डिएगो तट पर मलबे की तलाश

नई दिल्ली। अमेरिका के सैन डिएगो में एक विमान हादसा हुआ है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 6 लोगों को ले जा रहा एक विमान सैन डिएगो के पास प्रशांत महासागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। तटरक्षक बल मलबे की खोज कर रहा है। अमेरिकी तटरक्षक बल के अधिकारियों ने बताया कि रविवार दोपहर को प्वाइंट लोमा के पास समुद्र में मलबा देखा गया। इसके बाद उस इलाके में विमान के मलबे को ढूंढने का काम शुरू हुआ। यह जगह तट से करीब आठ किलोमीटर दूर है और समुद्र की गहराई लगभग 200 फीट (करीब 61 मीटर) है। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि यह हादसा रविवार दोपहर करीब 12.30 बजे हुआ। विमान के उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही यह हादस हुआ। यह एक ट्विन-इंजन वाला सेसना 414 विमान था। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटअवेयर डॉट कॉम के अनुसार, यह विमान फीनिक्स शहर की ओर जा रहा था। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) और एफएए दोनों ने पुष्टि की है कि वे इस दुर्घटना की संयुक्त जांच कर रहे हैं।

'400 फीसदी बढ़ानी होगी वायु और मिसाइल सुरक्षा', रूस से खतरे पर नाटो प्रमुख मार्क रट

लंदन । नाटो प्रमुख मार्क रट ने गठबंधन के सदस्यों से आह्वान किया है कि उन्हें रूस से बढ़ते खतरे का मुकाबला करने के लिए अपनी वायु और मिसाइल रक्षा को 400 फीसदी तक बढ़ाना होगा। सैन्य गठबंधन प्रमुख रट लंदन की यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया में बढ़ते खतरे और अस्थिरता के समय नाटो को अपनी सामूहिक सुरक्षा को मजबूत बनाना होगा। नाटो प्रमुख रट ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से 10 डाउनिंग स्ट्रीट में मुलाकात करने वाले हैं। उनकी यह मुलाकात नीदरलैंड में नाटो शिखर सम्मेलन से पहले हो रही है, जिसमें 32 देशों का गठबंधन सैन्य खर्च बढ़ाने पर फैसला कर सकता है। रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमला किया, जिसके बाद से ब्रिटेन समेत नाटो के अन्य सदस्य देशों ने अपने रक्षा बजट पर दोबारा विचार करना शुरू कर दिया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा है कि वह 2027 तक ब्रिटिश रक्षा खर्च को सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का 2.5 फीसदी और 2034 तक तीन फीसदी बढ़ाने की योजना बना रहे हैं।

ओकिनावा में अमेरिकी एयर बेस के पास विस्फोट में चार जापानी रक्षा बल के सदस्य घायल

एजेंसी

टोक्यो । दक्षिणी जापान के ओकिनावा प्रांत में अमेरिकी सेना के कडेना एयरबेस के पास हुए विस्फोट में जापान ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेजीएसडीएफ) के चार सदस्य घायल हो गए। जापानी मीडिया के अनुसार, यह जानकारी सामने आई है।स्थानीय अधिकारियों और रक्षा मंत्रालय के अनुसार आत्मरक्षा बल (एसडीएफ) के कर्मी डिपो में कार्यरत थे। स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11:20 बजे अग्निशमन विभाग को एसडीएफ (सेल्फ डिफेंस फोर्स) द्वारा संचालित प्लांट में विस्फोट की सूचना मिली, जब कर्मचारी बम निरोधक अभियान की तैयारी कर रहे थे। जापान के क्योदो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि जब एसडीएफ के जवान बम निरोधक अभियान की तैयारी कर रहे थे, तब एक अज्ञात

कारण से विस्फोट हुआ, जिसके कारण आस-पास के लोगों को उनकी अंगुलियों में चोटें आई और सुनने की क्षमता भी प्रभावित हो गई। रक्षा मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि विस्फोट एसडीएफ के बेस के गोला-बारूद डिपो क्षेत्र में स्थित बिना फटे बमों के भंडारण केंद्र में हुआ। स्थानीय प्राधिकारियों का हवाला देते हुए, इसने कहा कि आस-पास के निवासियों के लिए कोई निकासी आदेश जारी नहीं किया गया है, तथा आगे विस्फोट या आग लगने का कोई खतरा नहीं है। इसमें कहा गया है कि घायलों में से किसी की हालत गंभीर नहीं है। फिलहाल पुलिस घटनास्थल पर स्थिति की जांच कर रही है। आस-पास के निवासियों के लिए कोई निकासी आदेश जारी नहीं किया गया है। जीएसडीएफ बड़े पैमाने पर दुर्घटनाओं या घरेलू प्राकृतिक आपदाओं, जैसे भूकंप, तूफान और बाढ़ से होने वाली क्षति, ज्वालामुखी विस्फोट या बर्फ से संबंधित आपदाओं के परिणामस्वरूप बचाव या जीवन रक्षक अभियान जैसे आपदा राहत अभियान चलाकर लोगों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा में योगदान देता है। द्वितीय विश्व युद्ध में जापान की हार के बाद 1972 में अमेरिकी नियंत्रण से वापस आने के बाद भी ओकिनावा जापान में अमेरिकी सैन्य सुविधाओं का बड़ा हिस्सा बना हुआ है।

बम की धमकी के बाद गल्फ एयर का विमान कुवैत में सुरक्षित उतरा, संदिग्ध को लिया हिरासत में

एजेंसी

कुवैत सिटी। कुवैत में गल्फ एयर के एक विमान को उडान भरने के कुछ समय बाद बम से उडाने की धमकी मिलने के बाद कुवैत अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर लिया गया है। विमान से सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया और संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है। कुवैत के विमानन प्राधिकरण ने यह जानकारी दी। कुवैत के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक बयान में कहा कि उड़ान जीएफ213 के आगमन पर पूरी सुरक्षा जांच की गई और डीजीसीए और आंतरिक मंत्रालय के समन्वय में आपातकालीन प्रक्रियाएं सक्रिय की गईं। बयान में कहा गया, सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। साथ ही कहा गया कि यात्रियों को हवाई अड्डे के निर्दिष्ट लाउंज में ले जाया गया और उनकी हालत अच्छी है। डीजीसीए के प्रवक्ता अब्दुल्ला अल राजी ने कहा कि इस घटना से हवाई अड्डे के संचालन पर

कोई असर नहीं पड़ा और उड़ानें निर्धारित समय पर जारी रहीं। सुरक्षा टीमों ने मानक आपातकालीन प्रक्रियाओं के अनुरूप विमान की गहन जांच की और एहतियात के तौर पर यात्रियों को उतार दिया गया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि बम की धमकी देने वाले व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया है। कानूनी कार्रवाई और आगे की जांच जारी है।

इजराइल के नेता प्रधानमंत्री नेतन्याहू से निराश, नेसेट को भंग करने की तैयारी

एजेंसी

तेल अवी। इजरायल के प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय लिबरल मूवमेंट (लिकुड) के शीर्ष नेता बेंजामिन नेतन्याहू पर संकट के बादल गहराने लगे हैं। दक्षिण पंथी लिकुड के नेता को बुधवार को नेसेट में विरोधी दलों से अब तक की सबसे तगड़ी चुनौती मिल सकते हैं। इन दलों ने नेसेट को भंग करने की तैयारी शुरू कर दी है। इजराइल में एक सदनीय विधानमंडल की व्यवस्था है। इसे नेसेट यानी संसद कहा जाता है। नेसेट के सदस्यों का चुनाव देश के नागरिक करते हैं। यह सदस्य कानून बनाने, सरकारी कार्यों की निगरानी करने और अन्य महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए जिम्मेदार होते हैं। नेसेट ही राष्ट्रपति को चुनती है। नेसेट में 120 सदस्य होते हैं। द टाइम्स ऑफ इजराइल की खबर के अनुसार लिकुड की विरोधी पार्टी नेशनल यूनिटी के चेयरमैन बेनी गैंट्ज ने अपनी पार्टी को प्लेनम एजेंडे से बुधवार तक अपने सभी कानून वापस लेने का आदेश दिया।

उन्होंने कहा कि नेसेट को भंग करने वाले बिल के अलावा सभी बिल वापस ले लिए जाएं। विपक्षी पार्टी ने बयान में कहा कि इससे नेसेट को भंग करने का रास्ता आसान हो जाएगा। नेसेट को भंग करने वाला बिल अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स पार्टियों के सरकार को गिराने की धमकियों के बीच आया है। अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स शास पार्टी के प्रवक्ता ने कहा कि वह बुधवार को नेसेट को भंग करने के पक्ष में मतदान करेंगे। कोल बेरमाह रेडियो स्टेशन के साथ साक्षात्कार में शास के प्रवक्ता अशर मदीना ने कहा, जैसा कि स्थिति है, हम बुधवार को नेसेट को भंग करने के पक्ष में मतदान करेंगे। हम प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से निराश हैं। नेतन्याहू का सत्तारूढ़ गठबंधन इस समय दबाव में है। पिछले हफ्ते से अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स पार्टियों यूनाइटेड टोरा यहूदी धर्म और शास ने येशिवा छात्रों को सैन्य सेवा से छूट देने वाला विधेयक पारित न करने पर गठबंधन छोड़ने और नेसेट को भंग करने की धमकी दे रही हैं।

रूस-भारत-चीन त्रयी को फिर से सक्रिय किया जा सकता है: रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव

एजेंसी

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि भारत और चीन के बीच सीमा तनाव में महत्वपूर्ण कमी आने के बाद रूस-भारत-चीन (आरआईसी) त्रिपक्षीय समूह की गतिविधियां फिर से शुरू की जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित हो सकती है। लावरोव ने यह टिप्पणी मास्को में आयोजित %फोरम ऑफ द फ्यूचर-2050% के दौरान की। इस मंच का उद्देश्य यूरेशिया में बहुध्रुवीय राजनीतिक ढांचे की संभावनाओं पर विचार करना है। इस दो दिवसीय सम्मेलन में विश्वभर के युवाओं और विचारकों ने भाग लिया है। इसमें टेस्ला व स्पेस-एक्स के प्रमुख एलन मस्क के पिता एरोल मस्क की उपस्थिति भी खास रही। लावरोव ने कहा कि ÷मुझे उम्मीद है कि हम रूस-भारत-चीन त्रयी की गतिविधियों को फिर से बहाल कर पाएंगे। बीते कुछ वर्षों से विदेश मंत्रियों के स्तर पर कोई बैठक नहीं हुई है, लेकिन इस मुद्दे पर मैं अपने चीनी

समकक्ष और भारत के विदेश मंत्रालय के प्रमुख के साथ बातचीत कर रहा हूं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत-चीन सीमा पर अब स्थिति स्थिर हो रही है और दोनों देशों के बीच संवाद स्थापित हो चुका है। उन्होंने कहा, ÷मेरे विचार से तनाव अब काफी हद तक कम हो चुका है और परिस्थितियां अब सहयोग के अनुकूल बन रही हैं। उल्लेखनीय है कि 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद आरआईसी की गतिविधियां लगभग ठप हो गई थीं। तब से अब तक किसी भी उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन नहीं हुआ।

नेपाल ने मानव तस्करी मामले में भारतीय दूतावास से मांगा सहयोग

एजेंसी

काठमांडू। बड़े पैमाने पर हुए मानव तस्करी के मामले में नेपाल की जांच एजेंसी ने भारतीय दूतावास से सहयोग मांगा है। एजेंसी ने दूतावास को एक हजार से अधिक ऐसे भारतीय नागरिकों की सूची भेजी है, जो नेपाल के विमानस्थल का प्रयोग करके दूतावास की अनुमति के बिना विदेश भेजे गए हैं। नेपाल के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से पिछले चार महीने में 200 संदिग्ध भारतीय नागरिकों को विदेश भेजे जाने की बात जांच में सामने आई है। इनमें अधिकांश खालिस्तान समर्थक लोगों के होने की जानकारी कुछ दिन पहले ही मिली है। नेपाल में इमिग्रेशन विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से बड़े पैमाने पर मानव तस्करी होने का खुलासा होने के बाद मामले की जांच की जा रही है। पहले एंटी करप्शन ब्यूरो ने इस मामले की

जांच शुरू की थी, लेकिन अब हर रोज नए-नए खुलासे होने के बाद केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) भी जांच में शामिल हो गई है। सीआईबी की जांच में पता लगा है कि करीब एक हजार से अधिक भारतीय नागरिकों को बिना दूतावास के नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट के ही यहां से उड़ान भरने की अनुमति दी गई है। दरअसल, नेपाल में नियम है कि भारतीय दूतावास को किसी तीसरे देश में उड़ान भरने के लिए काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास से एनओसी लेना आवश्यक होता है। जांच में पाया गया है कि पिछले छह महीने में एक हजार से अधिक भारतीय नागरिक को अवैध तरीके से भेजा गया है। अब इस मामले में सीआईबी ने भारतीय दूतावास को पत्र लिखकर पिछले छह महीने में भारतीय नागरिकों को दी गई एनओसी की सूची मांगी है, ताकि इस बात का अंदाजा लगाया जा सके कि कितने लोगों को विदेश भेजा गया है। नेपाल के गृहमंत्री रमेश लेखक जिस मानव तस्करी मामले में अभी घिरे हैं और विपक्ष उन पर इस्तीफे का दबाव बना रहा है, उस मामले में सीआईबी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। इस जांच से जुड़े एक वरिष्ठ जांच अधिकारी के मुताबिक हवाई अड्डे के इमिग्रेशन विभाग में मानव तस्करी का धंधा धड़ल्ले से चलाया जा रहा था। इसमें सिर्फ श्रमिक के रूप में विदेश जाने वाले लोग ही नहीं, बल्कि संदिग्ध लोगों को भी भेजे जाने का खुलासा हुआ है।

अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दिए गये 26 अब्राम टैंकों को रूस ने किया नष्ट

एजेंसी

मास्को। रूसी सशस्त्र बलों ने अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दिए गये 31 अब्राम टैंकों में से अबतक 26 को नष्ट कर दिया है। यह जानकारी स्पूतनिक ने दी। उल्लेखनीय है कि जनवरी 2023 में, तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को 31 एम1 अब्राम टैंक देने की घोषणा की थी। स्पूतनिक की गणना के अनुसार, रूसी सेना ने फरवरी 2024 से अब तक 26 टैंकों

को नष्ट कर दिया है। इस तरह के पहले टैंक को 26 फरवरी, 2024 को अवदेयेवका दिशा में त्सेंट्र (केंद्र) समूह की सेनाओं ने नष्ट कर दिया था। अब्राम्स अमेरिका का मुख्य युद्धक टैंक है। एम1 जनरल अब्राम्स का लगातार उत्पादन 1980 में शुरू हुआ था। इस टैंक का नाम जनरल क्रेयटन अब्राम्स के नाम पर रखा गया था, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एक टैंक बटालियन की कमान संभाली थी और बाद में वियतनाम में अमेरिकी सेना के अभियानों की देखरेख की थी। अब्राम्स का आधुनिकीकरण किया गया और 2020 में उन्नत अब्राम्स एम1ए2 एसईपी वी3 टैंक अमेरिकी सेना को सौंपा गया।

स्कूलों में डेंगू और चिकनगुनिया को रोकने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी

एजेंसी

कोलंबो । स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंका के शिक्षा मंत्रालय ने देशभर के स्कूलों में डेंगू और चिकनगुनिया को फैलने से रोकने के लिए निर्देश जारी किए हैं। नए निर्देशों के अनुसार, निरीक्षण के दौरान स्कूल परिसर में मच्छरों के प्रजनन स्थल पाए जाने पर स्कूल के प्रिंसिपल पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। मंत्रालय ने कहा कि प्रत्येक स्कूल को मच्छरों के प्रजनन स्थलों को खत्म करने के लिए कार्यक्रम चलाना चाहिए, इसके साथ ही बिना किसी रुकावट के शैक्षणिक गतिविधियां जारी रखनी चाहिए।

मंत्रालय ने सभी सार्वजनिक और सरकार से अनुमोदित निजी स्कूलों के प्रिंसिपल, धार्मिक स्कूलों के प्रमुखों, नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन के डीन और अन्य

शैक्षणिक संस्थानों और प्रांतीय कार्यालयों के प्रमुखों को नए उपायों के बारे में सूचित करने के लिए नोटिस भेजे हैं। 'समाचार एजेंसी'की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने स्कूलों का समय-समय पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। श्रीलंका में डेंगू और चिकनगुनिया के मामले बढ़ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, डेंगू बिना लक्षण वाले संक्रमण या हल्की बीमारी से लेकर गंभीर बीमारी का रूप ले सकता है। अनुमान है कि 4 में से 1 पीड़ित में ही डेंगू वायरस के लक्षण नजर आते हैं। शुरुआती लक्षणों को पहचानना और तुरंत इलाज शुरू करना मृत्यु दर को कम कर सकता है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, दाने के अलावा मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द शामिल हैं। यह मतली और उल्टी भी पैदा कर सकता है। गंभीर मामलों में, गंभीर रक्तस्राव और शॉक जैसी समस्याएं नजर आती हैं, जो जीवन के लिए खतरा हो सकती हैं। इसके उपचार की बात करें तो तरल पदार्थ और दर्द निवारक दवाएं हो सकती हैं। गंभीर मामलों में रोगी को अस्पताल में भर्ती करवाने की जरूरत पड़ सकती है।दूसरी ओर, चिकनगुनिया एक मच्छर जनित वायरल बीमारी है, जो बुखार और जोड़ों के दर्द का कारण बनती है। यह एक राइबोन्यूक्लिक एसिड (आरएनए) वायरस के कारण होता है।'चिकनगुनिया' नाम दक्षिणी तंजानिया की किमाकोंडे भाषा के एक शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ 'वह जो ऊपर की ओर झुकता है', इस बीमारी के दौरान जोड़ों के दर्द से पीड़ित मरीज को टेढ़ी-मेढ़ी मुद्रा का वर्णन करता है।

लॉस एंजिल्स में हिंसा पर मेयर करेन बैस की चेतावनी, ट्रंप प्रशासन ने बढ़ाई अशांति, शांतिपूर्ण विरोध ही स्वीकार्य

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। लॉस एंजिल्स में हालिया विरोध प्रदर्शनों और उसके बाद की अशांति को लेकर मेयर करेन बैस ने एक बार फिर ट्रंप प्रशासन की तीखी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि शहर में जो अराजकता देखने को मिल रही है, वह प्रशासन द्वारा भड़काई गई है। साथ ही उन्होंने लोगों से शांतिपूर्ण ढंग से विरोध जताने की अपील दोहराई। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मेयर बैस ने कहा, हम नहीं चाहते कि हम किसी भी तरह ट्रंप प्रशासन के हाथों का औजार बनें। उनकी कार्रवाई से लोगों में डर और घबराहट फैल रही है। लॉस एंजिल्स में जो कुछ हो रहा है, वह प्रशासन की नीतियों से भड़काई गई अराजकता है। बैस ने लॉस एंजिल्स में नेशनल गार्ड की फेडरल तैनाती को खतरनाक उकसाव करार देते हुए ट्रंप प्रशासन से इसे वापस लेने की अपील की।

उन्होंने कहा कि फेडरल सैनिकों की तैनाती से स्थिति सुधरने के बजाय और बिगड़ रही है। यह एक खतरनाक कदम है जो लोगों के बीच डर का माहौल बना रहा है। मेयर बैस ने लॉस एंजिल्स निवासियों को संबोधित करते हुए स्पष्ट कहा कि विरोध करने का अधिकार सभी को है, लेकिन यह अधिकार हिंसा, तोड़फोड़ या अराजकता फैलाने की अनुमति नहीं देता। उन्होंने कहा कि हिंसा, अराजकता और संपत्ति को नुकसान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर आपको विरोध करना है तो शांतिपूर्वक करें। इस दौरान, लॉस एंजिल्स की विविधता और समावेशी संस्कृति को रेखांकित करते हुए कहा बैस ने कहा कि यहां हर किसी का स्वागत है।

नेशनल हेल्थ इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने शोध बजट में कटौती पर जताई नाराजगी

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ (एनआईएच) से जुड़े दर्जनों वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और कर्मचारियों ने ट्रंप प्रशासन की ओर से शोध बजट में की गई भारी कटौती पर कड़ी नाराजगी जताई है। इनका कहना है कि यह निर्णय न केवल वैज्ञानिक अनुसंधान को राजनीतिक रंग दे रहा है, बल्कि इससे अमेरिकी जनता और वैश्विक समुदाय के स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ेगा। एक खुले पत्र में वैज्ञानिकों ने बताया कि ट्रंप प्रशासन के सत्ता में आने के बाद से अब तक करीब 2100 शोध अनुदान रद्द किए जा चुके हैं, जिनकी कुल राशि 9.5 अरब डॉलर थी। इसके साथ ही 2.6 अरब डॉलर के अतिरिक्त अनुबंध भी रद्द कर दिए गए हैं। पत्र में कहा गया है कि इस प्रकार की अचानक की गई कटौतियों के कारण कई क्लिनिकल ट्रायल बिना किसी सुरक्षा योजना के रोके जा रहे हैं, जिससे प्रतिभागियों की जान को खतरा हो सकता है। इनमें से कई प्रतिभागियों की दवाएं बीच में ही रोक दी गई हैं या उनके शरीर में लगाए गए उपकरण बिना निगरानी के छोड़ दिए गए हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह निर्णय न केवल अनुसंधान के क्षेत्र को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि भविष्य की चिकित्सा प्रगति और स्वास्थ्य नीतियों के विकास को भी प्रभावित कर रहा है। विशेषज्ञों ने अपील की है कि शोध कार्य को राजनीतिक प्रभाव से मुक्त रखा जाए।

समुद्री ताकत को और बढ़ा रहा मॉस्को, पुतिन ने रूसी नौसेना विकास रणनीति को दी मंजूरी

एजेंसी

मॉस्को । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 2050 तक रूसी नौसेना के विकास के लिए एक दीर्घकालिक रणनीति को मंजूरी दी है। राष्ट्रपति के सहयोगी निकोलाई पेत्रुशेव ने प्रकाशित एक साक्षात्कार में ये सूचना दी। रूसी समाचार आर्ग्युमेंट्स एंड फैक्ट्स ने पेत्रुशेव के हवाले से कहा, इस रणनीति में, विशेष सैन्य अभियान के दौरान प्राप्त परिचालन अनुभव के आलोक में नौसेना की वर्तमान स्थिति और क्षमताओं का आकलन किया गया है।निकोलाई पेत्रुशेव मेरीटाइम बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। समाचार एजेंसी के मुताबिक, पेत्रुशेव ने इस बात पर जोर दिया कि, वैश्विक समुद्री वातावरण, सैन्य खतरों के विकास और स्पष्ट रूप से परिभाषित राष्ट्रीय लक्ष्यों की समझ के बिना एक शक्तिशाली और आधुनिक नौसेना विकसित नहीं की जा सकती। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 30 मई को जिस दस्तावेज़ को मंजूरी दी थी, उसमें अंतरराष्ट्रीय सैन्य-राजनीतिक स्थिति, सशस्त्र संघर्षों के संभावित परिदृश्य और प्रमुख शक्तियों की नौसैनिक क्षमताओं का विश्लेषण शामिल है। इसमें शांति और युद्ध दोनों समय में रूस की नौसेना बलों के लिए रणनीतिक उद्देश्य और बेड़े की भविष्य की संरचना और आधुनिकीकरण के लिए प्रमुख मापदंड निर्धारित किए गए हैं। पेत्रुशेव ने कहा, एक शब्द में कहें तो यह एक महत्वपूर्ण दीर्घकालिक दस्तावेज़ है जो इस प्रश्न का उत्तर देता है कि विश्व महासागर में अपने हितों की प्रभावी रक्षा के लिए रूस की नौसैनिक शक्ति कैसी होनी चाहिए। पेत्रुशेव ने इससे अधिक जानकारी नहीं दी। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रैंकिंग के अनुसार, रूस के पास चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद

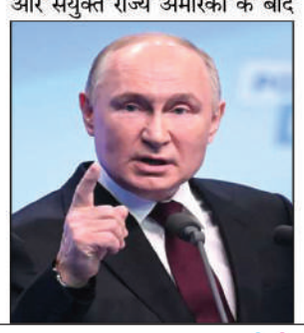

दुनिया की तीसरी सबसे शक्तिशाली नौसेना है। हालांकि, यूक्रेन के साथ जारी युद्ध में रूसी नौसेना को कई उल्लेखनीय असफलताओं का सामना करना पड़ा है। रूस ने अपने रक्षा और सुरक्षा खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जो सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी के संदर्भ में शीत युद्ध युग के बराबर स्तर पर पहुंच गया है। ओपन सोर्स इंटेलिजेंस का अनुमान है कि रूस के पास 79 पनडुब्बियों का बेड़ा है, जिसमें 14 परमाणु ऊर्जा से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियां और 222 युद्धपोत शामिल हैं। इसकी नौसैनिक शक्ति का मुख्य भाग उत्तरी बेड़े में केंद्रित है, जो बैरेंट्स सागर के किनारे सेवेरोमोर्स्क में स्थित है। इससे पहले 11 अप्रैल को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि वह अगले दशक में अपनी नौसेना को उन्नत बनाने के लिए 8.4 ट्रिलियन रूबल (लगभग 100.5 बिलियन डॉलर) आवंटित करेंगे। नौसेना के विकास पर आयोजित एक बैठक में पुतिन ने कहा था कि बदलती वैश्विक स्थिति, उभरती चुनौतियों, समुद्री खतरों और तेजी से हो रही तकनीकी प्रगति के कारण नौसेना की एक नई छवि के निर्माण की आवश्यकता है।

पुतिन ने कहा, रूसी नौसेना के सामरिक परमाणु बलों में आधुनिक हथियारों और उपकरणों की हिस्सेदारी 100 प्रतिशत है। भविष्य में इस आंकड़े को बनाए रखना होगा। नौसेना ने देश की रक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने और विश्व के महासागरों में रूस के हितों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

करीना कपूर

को क्या हो गया? सामने आया ऐसा वीडियो, देखकर टेंशन में आए फैंस

अपने चाहने वालों के बीच बेबो के नाम से मशहूर बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर हमेशा खुश दिखती हैं. वो जब कभी भी कहीं स्पॉट होती हैं, तो मुस्कुराते हुए नजर आती हैं. हालांकि, अब उनका एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसमें वो थोड़ा परेशान दिख रही हैं. वीडियो देख उनके फैंस भी टेंशन में आ गए हैं और कमेंट कर रहे हैं कि करीना को क्या हो गया है.दरअसल, हाल ही में करीना कहीं स्पॉट हुईं. पैपराजी इंस्टैंट बॉलीवुड ने उनका वीडियो शेयर किया है. वीडियो में वो काफी इमोशनल दिख रही हैं. वीडियो शेयर करते हुए पैपराजी ने लिखा, "OMG करीना भावुक दिख रही हैं." जैसे ही ये वीडियो सामने आया, लोगों कमेंट करने लगे और पूछने लगे कि उन्हें क्या हुआ है.

सोनम के बर्थडे पार्टी के बाद का वीडियो

बहरहाल, ये वीडियो उस दौरान का मालूम हो रहा है जब वो सोनम कपूर की बर्थडे पार्टी में पहुंची थीं. दरअसल, सोनम का बर्थडे 9 जून को है. इसको लेकर उन्होंने एक पार्टी रखी थी, जिसमें करीना कपूर भी शामिल हुई थीं. ऐसा लग रहा है कि ये वीडियो उस पार्टी के बाद का ही है.

करीना की फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है. जब कभी भी भी उनका ऐसा कोई वीडियो सामने आता है, तो फैंस भी उन्हें देख टेंशन में आ जाते हैं. वो पिछले 25 सालों से बॉलीवुड का हिस्सा हैं. उन्होंने साल 2000 में अभिषेक बच्चन के साथ फिल्म 'रिफ्यूजी' से अपने करियर की शुरुआत की थी. उसके बाद उन्होंने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा और एक से बढ़कर ढेरों हिट फिल्मों के जरिए लोगों को काफी एंटरटेन किया.

आखिरी बार इस फिल्म में दिखीं करीना

करीना कपूर आखिरी बार पिछले साल नवंबर में रिलीज हुई अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम अगेन' में दिखी थीं. रोहित शेट्टी के डायरेक्शन में बनी उस फिल्म में अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और टाइगर श्रॉफ जैसे स्टार्स भी नजर आए थे. उसके बाद से फैंस को उनकी अगली फिल्म का इंतजार है. हालांकि, अभी तक करीना ने कोई भी फिल्म अनाउंस नहीं की है.

सलमान खान

के सबसे बड़े रिकॉर्ड पर अक्षय कुमार की नजर, हाउसफुल 5 को सिर्फ 13 करोड़ की दरकार

पिछले काफी समय से अक्षय कुमार का जलवा बॉक्स ऑफिस पर फीका पड़ता नजर आ रहा था. लेकिन अब एक्टर हाउसफुल 5 से जोरदार वापसी करते नजर आ रहे हैं. उनकी फिल्म को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त बज़ बना हुआ है. पहली बार ऐसा हुआ है जब बॉलीवुड की किसी फिल्म के दो-दो क्लाइमैक्स देखने को मिले हैं. इसी के साथ और भी कई मायने में ये फिल्म ऐतिहासिक साबित हुई है. अब ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी कमाल करती नजर आ रही है. फिल्म की कमाई के ताजा आंकड़े आ गए हैं. इसी के साथ इस फिल्म के जरिए अक्षय कुमार अपने साथी कलाकार सलमान खान के एक बड़े रिकॉर्ड की बराबरी करते नजर आ रहे हैं.

हाउसफुल 5 ने 3 दिन में कितने कमाए ?

हाउसफुल 5 की बात करें तो इस फिल्म ने रिलीज के ओपनिंग डे पर ही अपनी पावर दिखा दी थी. फिल्म ने ओपनिंग डे पर 24 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है. वहीं दूसरे दिन इस फिल्म का कलेक्शन 31 करोड़ रुपए रहा. रविवार को भी फिल्म की कमाई में इजाफा देखने को मिला और रविवार को फिल्म ने 32.50 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया. इस लिहाज से फिल्म का कुल कलेक्शन 87.50 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है.

वर्ल्डवाइड कलेक्शन कितना हुआ ?

हाउसफुल 5 के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो इस फिल्म ने दुनियाभर में 100 करोड़ का आंकड़ा 3 दिन में पार कर लिया है. सैकनिल्क की रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म ने 3 दिन में 139.40 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है. जिस गति से फिल्म आगे बढ़ रही है उससे ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि एक बार फिर से अक्षय कुमार की वापसी बॉक्स ऑफिस पर हो रही है.

सलमान खान की बराबरी करेंगे अक्षय कुमार

हाउसफुल 5 फिल्म यूं तो पहले ही कई कीर्तिमान रच चुकी है और अब आने वाले समय में भी इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं. अब तक के इतिहास में सबसे ज्यादा 100 करोड़ी फिल्म देने का रिकॉर्ड सलमान खान के नाम ही है. अब इस रिकॉर्ड की बराबरी अक्षय कुमार भी करने जा रहे हैं. उनकी फिल्म ने अभी तक 87 करोड़ रुपए कमा लिए हैं. मतलब सिर्फ 13 करोड़ रुपए और कमाने के बाद अब अक्षय कुमार भी सलमान खान की बराबरी कर लेंगे.फिलहाल सलमान खान की 18 ऐसी फिल्में हैं जिन्होंने 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया है. वहीं अक्षय कुमार की बात करें तो उनकी 17 ऐसी फिल्में हैं जो ये कमाल कर चुकी हैं. ऐसे में अब अक्षय कुछ करोड़ रुपए कमा कर ही सलमान खान के इस बड़े रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे.

18 करोड़ में बनी बॉलीवुड की इस कॉमेडी फिल्म ने की थी छप्परफाड़ कमाई, हर सीन पर बनते हैं मीम्स

साल 2000 में फिल्म 'हेरा फेरी' आई, जिसके डायलॉग्स, गाने और कहानी आज भी लोगों के दिलो पर छाए हैं. इसी फिल्म के आगे की कहानी 2006 में रिलीज हुई फिल्म 'फिर हेरा फेरी' में दिखाई गई और वो फिल्म भी सुपरहिट साबित हुई थी. 'फिर हेरा फेरी' एक आइकॉनिक फिल्म रही, जिसमें परेश रावल, अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी लीड रोल में नजर आए थे. इस फिल्म का तीसरा पार्ट भी बन रहा है, लेकिन फिलहाल हम दूसरे पार्ट की बात करेंगे.

सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा मीम्स 'हेरा फेरी' फ्रेंचाइजी पर ही बनते हैं. खासकर बाबू राव का कैरेक्टर सबसे ज्यादा फनी था, जिसपर मीम्स खूब बनते हैं. फिल्म 'फिर हेरा फेरी' में परेश रावल, अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी के अलावा कौन-कौन था ? फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की थी ? इस फिल्म के बारे में कुछ और दिलचस्प बातें, आइए आपको बताते हैं.

'फिर हेरा फेरी' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

9 जून 2006 को रिलीज हुई फिल्म 'फिर हेरा फेरी' का निर्देशन नीरज वोरा ने किया था. वहीं फिल्म को फिरोज ए नाडियावाला और फराजान शेख ने प्रोड्यूस किया था. जबकि 2000 में रिलीज हुई फिल्म 'हेरा फेरी' का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था. फिल्म 'फिर हेरा फेरी' में परेश रावल, अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी के अलावा नीरज वोरा, बिपाशा बसु, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, रिमी सेन, रवि किशन, सुरेश मेनन और शरत सक्सेना जैसे कलाकार नजर आए थे.

फिल्म के डायरेक्टर होने के साथ-साथ नीरज वोरा ने स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स भी लिखे थे. अगर फिल्म की कमाई की बात करें तो स्ड्डष्ठद्बद्ग के मुताबिक, 18 करोड़ के बजट में बनी 'फिर हेरा फेरी' का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 69.13 करोड़ था. वहीं भारत में इस फिल्म ने 55.11 करोड़ का कलेक्शन किया था और फिल्म का वर्डिक्ट सुपरहिट साबित था.

'फिर हेरा फेरी' को ओटीटी पर कहां देखें ?

'हेरा फेरी' में 'ओ मेरी जोहरा जबीन', 'दिल दे दिया', 'मुझको याद सताए तेरी', 'प्यार की चटनी' जैसे गाने हिट हुए थे. फिल्म हेरा फेरी की कहानी खत्म होती है कि देवी प्रसाद के दिए पैसों से बाबू राव (परेश रावल), राजू (अक्षय कुमार) और श्याम (सुनील शेट्टी) अमीर हो जाते हैं. 'फिर हेरा फेरी' में कहानी उसी के आगे की दिखाई जाती है, जिसमें वो लोग और ज्यादा पैसों के लालच में फिर से गरीब हो जाते हैं. आप अमेजन प्राइम वीडियो पर ये दोनों फिल्म देख सकते हैं.

जब अमिताभ बच्चन ने डायरेक्टर से मांगा पत्नी का नंबर, फिर फोन लगाकर दिया था ये ऑफर

अमिताभ बच्चन ने साल 1969 में आई फिल्म 'सात हिन्दुस्तानी' से अपने फिल्मी करियर का आगाज किया था. ये फिल्म तो फ्लॉप रही लेकिन बिग बी ने हिंदी सिनेमा में काम करना जारी रखा और कुछ सालों के बाद 1973 की पिक्चर 'जंजीर' से वो स्टार बन गए थे, जबकि 1975 की 'शोले' जैसी ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर देने के बाद उनके सुपरस्टार बनने की शुरुआत हो गई. इसके बाद वो हिंदी सिनेमा के सबसे पॉपुलर कलाकार भी कहलाए.अमिताभ बच्चन ने भारतीय सिनेमा में जो मुकाम हासिल किया है वो कोई और सितारा नहीं कर पाया. फैंस तो उन्हें खूब पसंद करते हैं हीं, वहीं एक्टर और एक्ट्रेस के अलावा डायरेक्टर-प्रोड्यूसर भी अमिताभ के कायल हैं. अमिताभ के चाहने वालों और उन्हें पसंद करने वालों में डायरेक्टर रूमी जाफरी भी शामिल हैं. बिग बी संग उनका रिश्ता बेहद खास है. इसका सबसे बड़ा उदाहरण बिग बी के 60वें जन्मदिन पर देखने को मिला था. तब अमिताभ बच्चन ने आगे रहकर रूमी की वाइफ को कॉल किया था और उन्हें अपने जन्मदिन की पार्टी में आने का न्योता दिया था.

बिग ने रूमी से मांगा उनकी पत्नी का नंबर

जो किस्सा हम आपको सुना रहे हैं वो खुद रूमी जाफरी ने शेयर किया था. रूमी ने बताया था कि बिग बी ने अपने 60वें बर्थडे पर एक पार्टी रखी थी. बर्थडे पर रूमी ने बिग बी को फोन लगाया और उन्हें बधाई दी. तब अमिताभ ने कहा सिर्फ फोन पर बधाई दे रहे हो. शाम को घर आओ और दो. लेकिन तब रूमी ग्रीस में थे और अपनी एक फिल्म की शूटिंग कर रहे थे. तब अमिताभ ने कहा ठीक है हनान (रूमी जाफरी की वाइफ) को भेजो. रूमी ने कहा वो अकेले फिल्मी पार्टी में नहीं जाती हैं. तब अमिताभ ने कहा ये फिल्मी पार्टी नहीं, मेरा जन्मदिन है. इस पर रूमी ने बिग बी से माफी मांगी थी और बोले मेरे मुंह से निकल गया. फिर बिग बी ने रूमी से हनान का फोन नंबर मांगा था.

हनान को दिया बर्थडे पार्टी में आने का न्योता

अमिताभ ने तुरंत हनान को कॉल किया और उन्हें अपनी बर्थडे पार्टी में बुलाया. फिर हनान ने रूमी से बात की. हनान ने बताया कि बच्चन साहब का फोन आया था और वो हैरान रह गई. हनान की सांसें फूली हुई थीं और वो बहुत अचम्भे में भी थीं. हनान ने रूमी को सब कुछ बताया. इसके बाद हनान अपनी बहन के साथ अमिताभ बच्चन के बर्थडे पर उनके घर गई थीं.

दिल्ली में बम धमाके की कॉल से मचा हड़कंप

नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिम जिले के वसंत कुंज इलाके में मंगलवार देर रात एक होटल में बम धमाके की कॉल से हड़कंप मच गया। कॉलर ने बताया कि एक पाकिस्तानी महिला दिल्ली में बम विस्फोट की साजिश रच रही है और दिल्ली में एक दुकान भी चला रही है। यह सूचना मिलने के बाद तुरंत स्थानीय पुलिस और कंट्रोल रूम हरकत में आ गए। पुलिस के मुताबिक यह पीसीआर कॉल रात 3:25 बजे वसंत कुंज नॉर्थ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आई। कॉल हेड कांस्टेबल अमित कुमार द्वारा फॉरवर्ड की गई, जिसमें बताया गया कि कॉलर बेंगलुरु से है और उसने इंद्रा इंटरनेशनल होटल, एयरपोर्ट के पास वसंत कुंज का नाम लेते हुए धमाके की साजिश की आशंका जताई। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और होटल की बारीकी से तलाशी ली गई, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु या गतिविधि नहीं पाई गई। जांच के दौरान जब पुलिस ने कॉलर से संपर्क करने की कोशिश की तो एक बार उसने फोन उठाया और सिर्फ इतना कहा कि उसने दिल्ली में खतरे की सूचना देने के लिए कॉल की थी। इसके बाद उसने फोन बंद कर दिया। फिलहाल कॉल की सच्चाई की पुष्टि नहीं हो पाई है। यदि कॉलर का फोन दोबारा चालू होता है तो पुलिस उसकी जानकारी की पुनः जांच करेगी।

दिल्ली सरकार ने 3.45 लाख से ज्यादा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए: स्वास्थ्य मंत्री

नई दिल्ली

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) 'स्वस्थ दिल्ली, सशक्त दिल्ली' की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने अब तक प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और वय वंदना योजना (वीवीवाई) के तहत 3 लाख 45 हजार से ज्यादा स्वास्थ्य कार्ड जारी कर चुकी है। स्वास्थ्य मंत्री ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इनमें से एक लाख 67 हजार कार्ड वय वंदना योजना के तहत दिल्ली के वरिष्ठ नागरिकों को जारी किए गए हैं।

मोदी ने 11 साल में 33 गलतियां की: मल्लिकार्जुन खड़गे

कहा- इतिहास में पहली बार लगातार दो लोकसभा कार्यकाल से पद खाली

वोट के लिए गरीबों-युवाओं को मूर्ख बनाते हैं

नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र में मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल पर सवाल उठाए हैं। खड़गे ने बुधवार को कहा कि बीते 11 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 33 गलतियां की हैं। मैं 65 साल से राजनीति में हूं, लेकिन उनके जैसा झूठ बोलने वाला प्रधानमंत्री कभी नहीं देखा। खड़गे ने कहा, 'हम झूठ बोलते हैं, गलतियां करते हैं, वोट लेने के लिए युवाओं और गरीबों को मूर्ख बनाते हैं।

जब हम उनसे सवाल पूछते हैं तो कभी जवाब नहीं देते। वे अपनी गलतियां कभी स्वीकार नहीं करते हैं।

वे सिर्फ बोलते रहते हैं।' बता दें कि नरेंद्र मोदी ने 9 जून 2024 को प्रधानमंत्री के तौर पर अपने तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली थी। मोदी सरकार ने बीते सोमवार को अपने तीसरे कार्यकाल की पहली और कुल मिलाकर 11वीं सालगिरह मनाई। मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी।

खड़गे ने 9 जून को कहा- समाज में नफरत फैलाने की कोशिश जारी

कांग्रेस अध्यक्ष ने इससे पहले 9 जून को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर

एक पोस्ट के जरिए मोदी सरकार के 11 सरकार के कार्यकाल पर सवाल उठाए थे। उन्होंने लिखा था, 'पिछले 11 सालों में मोदी सरकार ने भारतीय लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को गहरा आघात पहुंचाया है। मोदी सरकार ने संविधान के हर पन्ने पर तानाशाही की स्याही रगड़ने में गंवाए हैं!'

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में हुए रेल हादसे को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा, 'जब मोदी सरकार 11 साल की सेवा का जश्न मना रही है, तब देश की हकीकत मुंबई से आ रही दर्दनाक खबर में दिखती है, जहां ट्रेन से गिरकर कई लोगों की मौत हो गई।' राहुल ने पर लिखा, 'भारतीय रेल करोड़ों की जिंदगी की रीढ़ है, लेकिन आज असुरक्षा, भीड़ और अव्यवस्था की प्रतीक बन चुकी है। मोदी सरकार के 11 साल- न जवाबदेही, न बदलाव, सिर्फ प्रचार। सरकार 2025 पर बात करना छोड़, अब 2047 के सपने बेच रही है।

राहुल गांधी का पीएम मोदी को लेटर, 2 मांगें उठाईं, स्कॉलरशिप समय पर मिले

दलित, ओबीसी स्टूडेंट्स के हॉस्टल में सुधार हो

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने छात्रों की समस्याओं को लेकर पीएम मोदी को लेटर लिखा। जिसमें राहुल ने हॉस्टल में होने वाली असुविधाओं का जिक्र किया। राहुल ने बताया कि वे पिछले महीने बिहार में अंबेडकर हॉस्टल गए थे,

जहां स्टूडेंट ने इन समस्याओं को जिक्र किया था। राहुल ने इसके अलावा छात्रों को मिलने वाली स्कॉलरशिप का मुद्दा भी उठाया। राहुल ने लिखा कि दलित, एसडी, इकोनॉमिक बैकवर्ड क्लास, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के स्टूडेंट को मिलने वाली स्कॉलरशिप में देरी न हो। उन्होंने कहा कि स्कॉलरशिप पाने वाले दलित छात्रों की संख्या लगभग आधी हो गई है। 2023 में ये 1.36 लाख थी, जो 2024 में घटकर 0.69 लाख रह गई है।

मोदी सरकार 2025 छोड़कर 2047 के सपने बेच रही: राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में हुए रेल हादसे को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा, 'जब मोदी सरकार 11 साल की सेवा का जश्न मना रही है, तब देश की हकीकत मुंबई से आ रही दर्दनाक खबर में दिखती है, जहां ट्रेन से गिरकर कई लोगों की मौत हो गई।' राहुल ने पर लिखा, 'भारतीय रेल करोड़ों की जिंदगी की रीढ़ है, लेकिन आज असुरक्षा, भीड़ और अव्यवस्था की प्रतीक बन चुकी है। मोदी सरकार के 11 साल- न जवाबदेही, न बदलाव, सिर्फ प्रचार। सरकार 2025 पर बात करना छोड़, अब 2047 के सपने बेच रही है।

देश आज क्या झेल रहा है, ये कौन देखेगा?' दरअसल, 9 जून को मुंबई के मुंब्रा रेलवे स्टेशन के नजदीक चलती लोकल ट्रेनों से 10 यात्री नीचे गिर गए। इनमें से 4 की मौत हो गई, जबकि 13 घायल हो गए। रेलवे के मुताबिक, ये यात्री संभवतः ट्रेनों के फुटबोर्ड से लटके हुए थे। विपरीत दिशा में दो ट्रेनों के नजदीक से गुजरने के समय उनके बैग एक-दूसरे से टकरा गए, जिससे यह हादसा हुआ।

पीएम बोले- सरकार ने लोगों की जिंदगी आसान बनाई केंद्र में सरकार के 11 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर एक वीडियो पोस्ट किया था। साथ ही उन्होंने लिखा, 'हमारी सरकार की योजनाओं के केंद्र में गरीब भाई-बहनों के साथ जन-जन का कल्याण हो रहा है। हमने पूरी निष्ठा और सेवाभाव के साथ लोगों की जिंदगी आसान बनाने की कोशिश की है।' उन्होंने पर #11िं१२डारी५ं लिखकर इसकी जानकारी देते हुए कहा, 'आपके विचार सबसे ज्यादा मायने रखते हैं! ठंटङ्ग अस्त्रस्त्र पर इस सर्वे में हिस्सा लीजिए और हमें बताइए कि आप पिछले 11 सालों में भारत की विकास यात्रा को किस तरह देखते हैं।'

दिल्ली में पारा 45 डिग्री के पार, अलर्ट जारी

नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। कई इलाकों में बुधवार को तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार गया, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शुक्रवार से गर्मी से थोड़ी राहत मिलने का पूवार्नुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार को भी इसी तरह के मौसम की उम्मीद जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। गुरुवार तक दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में हीटवेव की स्थिति बनी रहेगी। हालांकि, 13 जून की रात और 14 जून को पश्चिमी विक्षोभ के कारण हल्की बारिश होने की संभावना के साथ गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। मौसम

विभाग के बुधवार दोपहर 2 बजे जारी बुलेटिन के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में हीटवेव की स्थिति बनी रहेगी और तापमान 44 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। भीषण गर्मी के साथ ही राजधानी में हवा में नमी की मात्रा सुबह के समय 39 प्रतिशत रही। वहीं, दक्षिण-पश्चिमी शुष्क हवाओं के कारण गर्मी और ज्यादा असहनीय हो गई है। मौसम विभाग ने बताया कि 12-16 जून के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा तथा 12-14 जून के दौरान कोंकण और गोवा में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

नीलम की स्नैक स्टोरीज: मुंबई और दिल्ली का स्ट्रीट फूड अब गुड़गांव में

दिव्य दिल्ली : गुड़गांव में एक नया फूड स्पॉट है जो धूम मचा रहा है - नीलम की स्नैक स्टोरीज। घर में बनी इस रसोई से क्लाउड किचन में मुंबई और दिल्ली का असली स्ट्रीट फूड परोसा जाता है, जिसे प्यार से पकाया जाता है और स्वाद के साथ परोसा जाता है।मुंबई से मंगाए गए पाव से बने वड़ा पाव से लेकर आलू भाजी के साथ जोधपुर स्टाइल प्याज की कचौरी और इंदौर से कुरकुरी मसालेदार दही सैंडविच तक - यह सब एक ही छत के नीचे उपलब्ध है।

इसके अलावा मिनी मील, सिग्नेचर चटनी और घर में बने सीक्रेट मसाले भी शामिल हैं। स्वाद? चटपटा, पुराने दिनों की याद दिलाने वाला और पूरी तरह से संतुष्टि देने वाला।सह-संस्थापक नीलम गुप्ता कहती हैं, अच्छा खाना बनाना और परोसना हमेशा से मेरा जुनून रहा है। अब, मैं हर दिन इस खुशी को और लोगों के साथ साझा कर सकती हूँ। उनके पार्टनर मनीष कहते हैं, हम स्वाद या सामग्री से समझौता नहीं करते। प्रतिक्रिया अद्भुत रही है!सभी तरह के आयोजनों के लिए खानपान उपलब्ध है छोटे-मोटे समारोहों से लेकर बड़े पैमाने पर होने वाले कार्यक्रमों तक।

पीयूष गोयल ने स्विट्जरलैंड के उद्योगपतियों से भारत के 11 साल के विकास पर की चर्चा

नई दिल्ली

भारत के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री पीयूष गोयल ने स्विटजरलैंड के खूबसूरत शहर बर्न की दो दिवसीय सफल यात्रा का समापन, गर्मजोशी, मधुर यादों और नई साझेदारियों के साथ किया। गोयल ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, " भारत की विकास कहानी में स्विस उद्योग जगत के नेताओं और प्रमुख हितधारकों की जिज्ञासा, रुचि और विश्वास से बेहद प्रभावित हूं। आगे रोमांचक अवसर हैं। " पीयूष गोयल ने एक्स पर लिखा, "स्विसमेम उद्योग दिवस पर अलग-अलग इंडस्ट्री से जुड़े 1,000 से अधिक स्विस उद्यमियों के सम्मेलन को संबोधित करना मेरे लिए सम्मान की बात रही। मेरे साथ स्विस फे-डरल काउंसलर पर्मेलिन जी भी शामिल हुए। उन्होंने पिछले 11 वर्ष में प्रौद्योगिकी, नवाचार और व्यापार के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान करने के मामले में भारत के उल्लेखनीय परिवर्तन को उजागर करने के अवसर का लाभ उठाया। 'केंद्रीयमंत्री गोयल ने लिखा, " स्विस उद्योग जगत को भारत में विकास और निवेश के लिए अद्वितीय अवसरों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया है। उन्होंने भारत के कुशल और प्रतिभाशाली कार्यबल और सुविधाजनक व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाया। अब भारत-स्विस संबंधों का नया मजबूत अध्याय शुरू हो रहा है। इस सम्मेलन की प्रमुख भागीदार हेलेन बुडलिगर अर्टिडा ने गोयल की एक्स पोस्ट को जस का तस अपने एक्स हैंडल पर साझा किया। उल्लेखनीय है स्विसमेम स्विट्जरलैंड के मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग उद्योगों (एमईएम उद्योगों) और संबंधित प्रौद्योगिकी-उन्मुख क्षेत्रों का प्रमुख संघ है। गोयल ने कहा कि इस दौरे के दौरान दुनिया की सबसे बड़ी कंटेनर शिपिंग कंपनी और परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स में वैश्विक अग्रणी, मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी के सीईओ सोरेन टॉफ्ट के साथ अत्यंत उपयोगी बातचीत हुई। उन्होंने भारत के तेजी से बढ़ते शिपिंग, लॉजिस्टिक्स और बंदरगाह बुनियादी ढांचे के विस्तार करने में निवेश की रुचि दिखाई। निकट भविष्य में महत्वपूर्ण साझेदारी की आशा है।

एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्चिंग फिर स्थगित

नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य एस्ट्रोनॉट्स के लिए अंतरिक्ष स्टेशन तक की ऐतिहासिक यात्रा को एकबार फिर स्थगित कर दिया गया । आज एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्चिंग होनी थी। लॉन्चिंग वाहन में रिसाव के चलते इसे फिर स्थगित कर दिया गया है। इसरो प्रमुख डॉ. वी नारायणन ने यह जानकारी एक्स पर दी। डॉ. नारायणन ने कहा कि आईएसएस पर पहले भारतीय गगनयात्री भेजने के लिए 11 जून

को लॉन्च होने वाले एक्सिओम-4 मिशन को स्थगित कर दिया गया है। फाल्कन 9 लॉन्च वाहन के बूस्टर चरण के प्रदर्शन को मान्य करने के लिए लॉन्च वाहन की तैयारी के हिस्से के रूप में, लॉन्च पैड पर सात सेकंड का हॉट टेस्ट किया गया। परीक्षण के दौरान प्रणोदन बे में रिसाव का पता चला था। इसरो टीम ने एक्सिओम-4, स्पेसएक्स के विशेषज्ञों के साथ इस विषय पर चर्चा के आधार पर लॉन्च के लिए मंजूरी देने से पहले रिसाव को ठीक करने और आवश्यक सत्यापन परीक्षण करने का निर्णय लिया। इसलिए आईएसएस पर पहली बार भारतीय गगनयात्री भेजने के लिए 11 जून को होने वाले एक्सिओम-4 के प्रक्षेपण को स्थगित कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि एक्सिओम-4 मिशन को पहले भी तीन बार टालना पड़ा है। अंतरिक्षयात्रियों को 29 मई को रवाना होना था।

कोरोना के एक्टिव मामलों का संख्या सात हजार के पार

नई दिल्ली

देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या सात हजार के पार चली गई है। बुधवार को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में 306 नए मामले सामने आए। इसके साथ ही देशभर में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 7,121 हो गई है। मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में छह मौतें दर्ज की गईं। छह मौतों में से तीन केरल से, दो कर्नाटक से और एक महाराष्ट्र से दर्ज की गई। वहीं इस दौरान 929 लोग कोरोना से ठीक भी हुए हैं। अगर बात राज्यों की करें तो केरल में सबसे ज्यादा 2,223 सक्रिय मामले हैं। पिछले 24 घंटे में 170 नए मामलों के साथ यहां सबसे ज्यादा नए संक्रमण मामले भी दर्ज किए गए। गुजरात में 114 नए मामले सामने आए, जिससे यहां सक्रिय संख्या 1,223 हो गई है। दिल्ली में भी कोरोना मामलों में वृद्धि देखी गई।

पीएम मोदी के नेतृत्व में आर्थिक सुधारों और व्यापार सशक्तिकरण का स्वर्णिम युग: खंडेलवाल

दिव्य दिल्ली : मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं, यह समय है कि हम गर्व के साथ भारत द्वारा व्यापार, वाणिज्य और आर्थिक विकास में हासिल की गई ऐतिहासिक प्रगति पर चिंतन करें। *चांदनी चौक से सांसद श्री प्रवीन खंडेलवाल ने इस अवधि को आर्थिक सुधारों, व्यापारियों के सशक्तिकरण और समावेशी विकास का स्वर्णिम युग करार दिया वहीं देश में उपभोक्ताओं के अधिकारों के संरक्षण में भी कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। आज नई दिल्ली में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए, श्री अजय खटाना एवं श्री अरविंन्द गर्ग, क्रमशः केशव पुरम एवं चांदनी चौक के भाजपा जिला अध्यक्ष, प्रेस वार्ता में उपस्थित रहे। उनके साथ विधायकगण श्री अशोक गोयल (मॉडल टाउन), श्रीमती पूनम शर्मा (वजीरपुर), श्री तिलक राम गुप्ता (त्रिनगर), एवं श्री राजकुमार भाटिया (आदर्श नगर) भी उपस्थित रहे।प्रवीन खंडेलवाल ने कहा की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत एक वैश्विक आर्थिक शक्ति

बनकर उभरा है। जीएसटी,इंसोल्वेंसी कोड , डिजिटल इंडिया, और राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन जैसे ऐतिहासिक सुधारों ने अभूतपूर्व पारदर्शिता और व्यापार में सुगमता प्रदान की है। पहली बार देश के आर्थिक एजेंडे के केंद्र में व्यापारी और छोटे व्यवसाय आए हैं।ओर बताया कि भारत ने वर्ल्ड बैंक की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में 2014 में 142वें स्थान से 2024 में 63वें स्थान तक पहुंच कर 79 पायदानों की ऐतिहासिक छलांग लगाई, जो देश में स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स और सरकारी प्रक्रियाओं के सरलीकरण का प्रमाण है। यूपीआई (वढक) के माध्यम से प्रतिमाह 14 अरब से अधिक लेन-देन हो रहे हैं, जिससे खुदरा भुगतान प्रणाली में क्रांति आई है और छोटे से छोटे दुकानदार भी डिजिटल हो सके हैं। आज भारत विश्व का सबसे बड़ा रियल टाइम पेमेंट्स बाजार बन चुका है।43 करोड़ से अधिक मुद्रा लोन स्वीकृत किए गए, जिनकी कुल राशि ?25.75 लाख करोड़ है, जिससे जमीनी स्तर पर स्वरोजगार को बढ़ावा मिला है।स्टार्टअप इंडिया के अंतर्गत 1.25 लाख से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हुए हैं, जिससे भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है। खंडेलवाल ने बताया कि भारत ने 2023-24 में कुल $778 अरब (वस्तुएं व सेवाएं मिलाकर) का निर्यात किया, जो अब तक का सर्वोच्च है और यह हमारे निर्यात क्षेत्र की मजबूती और विविधता को दशार्ता है।उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (ढछक) के तहत 14 प्रमुख क्षेत्रों में ?1.97 लाख करोड़ का निवेश हो रहा है, जिससे घरेलू विनिर्माण को बल मिल रहा है और आयात पर निर्भरता घट रही है।पीएम गतिशक्ति के अंतर्गत 16,000 से अधिक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को जोड़ा गया है, जिससे कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स में समन्वय बना है। भारतमाला और सागरमाला परियोजनाएं भारत के राजमार्ग और बंदरगाह नेटवर्क को नया आकार दे रही हैं, जिससे लॉजिस्टिक्स लागत जीडीपी के 4% तक कम हुई है।जीएसटी ने 17 करों और 23 उपकरों को समाप्त कर ह्यएक देश, एक कर, एक बाजारह्ण की परिकल्पना को साकार किया है। जीएसटी संग्रह लगातार ?2 लाख करोड़ प्रति माह से अधिक हो रहा है, जो मजबूत अनुपालन और औपचारिकता का प्रतीक है और इसमें 16.4% की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। खंडेलवाल ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी की ह्यवोकल फॉर लोकलह्ण और ह्यआत्मनिर्भर भारतह्ण की सोच ने भारतीय व्यापारियों को एक नई पहचान दी है। चांदनी चौक से लेकर चेन्नई तक लाखों छोटे व्यवसाय आज भारत की वैश्विक आकांक्षाओं में आत्मविश्वास से भागीदारी कर रहे हैं।उन्होंने यह भी कहा कि कोविड-19 महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटों के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहा, जिसका 2023-24 में जीडीपी विकास दर 8.2% रही, जो खपत, निवेश और मजबूत घरेलू मांग के कारण संभव हो पाया।व्यापारिक समुदाय का प्रतिनिधि होने के नाते मैं मानता हूं कि ये 11 वर्ष भारत के स्वर्णिम शताब्दी की शुरूआत है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत 2027 तक $5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने और वैश्विक व्यापार व

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397